

तापमान



अधिकतम 23.5 डिग्री
न्यूनतम 4.9 डिग्री

जीटी रोड मूवि हरिभूमि

रोहतक, रविवार, 28 दिसंबर 2025

12 एसआईआर पर हल्ला मचा रहे विपक्षी शाह का माषण सुनें



12 साहिबजादों की शहादत को छात्रों ने किया जमन



SURAJ
EDUCATION

SURAJ

GROUP OF SCHOOLS



announces

Sunday
25
Jan. 2026

ADMISSION CUM SCHOLARSHIP TEST

FOR CLASSES -
1st to 12th

All Campuses
at 11:00 am

OUR DOCTORS

 AIIMS Bilaspur NEHA Mrs. KRIPA & Mr. AMARJEET	 AIIMS Gorakhpur GAURAV Mrs. PRIYANKA & Mr. VISHNU	 AIIMS Vijaypur, Jammu MAYANK Mrs. PAVITA DEVI & Mr. DEV PRAKASH	 AIIMS Guwahati DEEPANSHU Mrs. PINKY DEVI & Mr. NAVEEN
 AKANSHA Mrs. KUSUMLATA & Mr. JAI BHAGWAN	 PRIYANSHU Mrs. SANTOSH DEVI & Mr. DHIRU YADAV	 KHUSHI Mrs. POONAM DEVI & Mr. KULDEEP	 RUCHI Mrs. ANITA & Mr. PARVEEN
 DEEPIKA ANAND Mrs. SAVITA & Mr. VIKAS	 MEHA Mrs. SUNITA & Mr. AJAY	 NIKHIL Mrs. SANJAY DEVI & Mr. RAKESH	 MANISH K SAINI Mrs. SANJU & Mr. HORILAL SAINI
 RUBAAB KHAN Mrs. ANNAJ & Mr. MUSAQIB	 RIDHI GARG Mrs. REKHA & Mr. AJAY KUMAR GARG	 PRINCE Mrs. KRISHNA SHARMA & Mr. YOGESH K SHARMA	 SANEHA YADAV Mrs. PANAN KUMARI & Mr. MUKESH KUMAR
 ADNAN Mrs. KHURSIDAN & Mr. MOHD IQBAL			

OUR IITIANS

 MANVIK K GUPTA Mrs. RATNA GUPTA & Mr. MANOJ K GUPTA	 ADITI YADAV Mrs. SUNITA KUMARI & Mr. KOMAL KUMAR	 HIMANSHI Mrs. BIMLA DEVI & Mr. PAWAN	 PUSHPRAJ Mrs. PUSHPA YADAV & Mr. RAJKARAN	 KARISHMA Mrs. SANJAY DEVI & Mr. PAWAN DAHIYA	 ADITYA KUMAR Mrs. SUNITA DEVI & Mr. JAIPAL SINGH	 KALPANA Mrs. SONU & Mr. OMPRAKASH	 IRFAN Mrs. SUSHIL & Mr. SHABIR MOHAMMAD	 ATUL Mrs. SUNITA & Mr. RAJKARAN PRAJAPATI	 TEJAL Mrs. SHARDA & Mr. VIJAY CHAND BANSARA
 AYUSHI TIWARI Mrs. SUDHA TIWARI & Mr. VINOD TIWARI	 TANUJ PAL Mrs. BEENA DEVI & Mr. SHIV DUTTA PAL	 PIYUSH KUMAR Mrs. ASHA DEVI & Mr. MUKESH K MEENA	 HIMANSHI Mrs. KAVITA & Mr. JAI SINGH	 AYUSH Mrs. MUKESH & Mr. RAVINDER	 NIKHIL SHARMA Mrs. PINKI DEVI & Mr. AJAY SHARMA	 NISHTHA Mrs. NAMITA & Mr. PARVEEN KUMAR	 LUCKY SINGH YADAV Mrs. BIRNATI YADAV & Mr. GAJENDER S YADAV	 SHIVA Mrs. SUMAN & Mr. INDERPAL	 AVIRAL Mrs. SHEEL KUMARI & Mr. AJAY KUMAR SINGH

सूरज के नवचयनित सीए

CA Final Examination

 Mrs. MINAXI & Mr. SUNIL KUMAR	 Mrs. BABITA BHARDWAJ & Mr. SHIVSHANKAR BHARDWAJ	 Mrs. MEENA SAINI & Mr. SUBHASH CHANDER	 Mrs. PRACHI JAIN & Mr. MANOJ JAIN	 Mrs. SUMAN DEVI & Mr. MANOJ AGARWAL	 Mrs. SANJU CHHAPOLIYA & Mr. VIJAY CHHAPOLIYA
-----------------------------------	-----------------------------------------------------	--------------------------------------------	---------------------------------------	-----------------------------------------	--------------------------------------------------

C.A. INTERMEDIATE Qualifiers

 Mrs. JYOTI DEVI & Mr. MOHAN LAL	 Mrs. SUSHAMA & Mr. ASHOK KUMAR	 Mrs. BABITA DEVI & Mr. BANWIDAS	 Mrs. NAMITA DEVI & Mr. MARESH AGARWAL
-------------------------------------	------------------------------------	-------------------------------------	-------------------------------------------

CSEET

 Mrs. ASHA & Mr. ROHTASH	 Mrs. HEENA GUPTA & Mr. SHIV BASHU GUPTA	 Mrs. PURPILA DEVI & Mr. RAMSARAJ YADAV
-----------------------------	---------------------------------------------	--------------------------------------------

C.A. FOUNDATION

 Mrs. REKHA & Mr. RAJESH KUMAR	 Mrs. RITU SHARMA & Mr. LAXMANJIT SHARMA	 Mrs. SEENA DEVI & Mr. DEEVENDR	 Mrs. SANGEETA GUPTA & Mr. RAJESH GUPTA	 Mrs. SAVITA KUMARI & Mr. ISHWAR YADAV	 Mrs. POONAM & Mr. RAJENDER SINGH
-----------------------------------	---------------------------------------------	------------------------------------	--------------------------------------------	-------------------------------------------	--------------------------------------

 BACHOLI ROAD, MAHENDERGARH Tel: 9992715599, 9992716699	 BUCHOLI ROAD, MAHENDERGARH Tel: 9992715599, 9992716699	 DELHI ROAD, REWARI Tel: 9992111451, 9992555815	 GUDIYANI ROAD, KOSLI Tel: 9050735235, 9053539083	 SECTOR-2, NEAR NH-8, BAWAL Tel: 8222959801, 9416184252	 ALWAR ROAD, BHIWADI Tel: 7230999911, 8222999802	 GURUGRAM ROAD, PATAUDI Tel: 8814008822, 8607335533
---------------------------------------------------------------	---------------------------------------------------------------	-------------------------------------------------------	---------------------------------------------------------	---------------------------------------------------------------	--------------------------------------------------------	-----------------------------------------------------------

 SPR ROAD, SECTOR 75, GURUGRAM Tel: 8222959803, 8222999804	 SECTOR-56, GURUGRAM Tel: 8745912222, 8745913333	 2 ND MILE STONE, NARNAUL Tel: 9053539071, 9053539072	 SECTOR-19, REWARI Tel: 9992668855, 9992668877	 SECTOR 24 - DHARUHERA Tel: 9992111455, 9992111566	 SECTOR-1 - MANESAR Tel: 9992555966, 9992555967	 SECTOR-52, GURUGRAM Tel: 9992555961, 9992555962
------------------------------------------------------------------	--------------------------------------------------------	------------------------------------------------------------------------	------------------------------------------------------	----------------------------------------------------------	-------------------------------------------------------	--------------------------------------------------------

Top RANKERS...

CLAT EXAM 2025

 DIVYA KHANNA Mrs. Sharada Devi & Mr. Mukesh Kumar	 JHANVI Mrs. Shikha Mittal & Mr. Sohan Lal	 ASHNA Mrs Santosh Devi & Mr. Anil Kumar	 USHA Mrs. Rajkumari & Mr. Anup Singh
 TANISHA Mrs. Babil & Mr. Vijay Kumar	 KHUSHI Mrs. Anita & Mr. Surender	 DRISHTI Mrs. Ritu & Mr. Vinay Kumar	 DEEPANSHI Mrs. Yogita & Mr. Mukesh Kumar

NDA

Written Examination

 Qualifiers Mrs. ANITA DEVI & Mr. ANIL KUMAR	 Qualifiers Mrs. ANUJA & Mr. JOGINDER SINGH	 Qualifiers Mrs. REKHA & Mr. RAJ SINGH	 Qualifiers Mrs. SAROJ BALA & Mr. DINESH KUMAR
 Mrs. PUSHPA & Mr. RAKESH	 Mrs. SHEEL KUMARI & Mr. AJAY KUMAR	 Mrs. POONAM KUMARI & Mr. DEEPAK	 Mrs. PAYAL RANI & Mr. SURYAKANT
 Mrs. RAJ BALA & Mr. INDERJEET			

CBSE RESULT Class - 12th

Above 95% 26	Above 85% 270	Above 75% 662
------------------------	-------------------------	-------------------------

SUPERB SELECTIONS 2025

300+ NEET (UG)	280+ JEE MAINS	65+ IIT-JEE ADVANCED	90+ NDA WRITTEN	55 CA FOUNDATION & INTERMEDIATE
--------------------------	--------------------------	--------------------------------	---------------------------	-------------------------------------------

Providing Special facility for best preparation of
JEE / NEET / NDA / CA-CPT / CLAT
A.C. HOSTEL facility for boys & girls separately
at **MAHENDERGARH CAMPUS**

प्रकाशमय कल के लिए

खबर संक्षेप

महिला की जेब से 80 हजार रुपये चोरी

यमुनानगर। जगाधरी स्थित ईएसआई अस्पताल में इलाज के लिए आई महिला की जेब से अज्ञात ने 80 हजार रुपए चोरी कर लिए। जब महिला को अपनी जेब से पैसे गायब मिले तो उसने चोरी की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार गांव शहजादपुर निवासी शबनम ने हुड्डा सेक्टर 17 जगाधरी पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि 26 दिसंबर को दोपहर 12 बजे वह जगाधरी के ईएसआई अस्पताल में इलाज के लिए आई थी। उसने जर्सी डाली हुई थी। जर्सी की जेब में 80 हजार रुपए रखे थे।

पीजीआई की तर्ज पर जिले को मिला करोड़ों रुपये का मेडिकल कॉलेज व रेलवे कासिंग बना करोड़ों रुपये की लागत से ओवरब्रिज

हरिभूमि न्यूज ► यमुनानगर

वर्ष 2025 की विदाई होने में अब मात्र चार दिन शेष बचे हैं। मगर इस वर्ष में जिले को करोड़ों रुपये की परियोजनाओं की सौगात मिल चुकी है। इस वर्ष में जिलेवासियों को जहां करोड़ों रुपये की लागत से तैयार हो रहे गुरु तेग बहादुर सिंह मेडिकल कॉलेज की सौगात मिली है। वहीं, शहर के बीचों बीच सहारनपुर-अंबाला रेलवे मार्ग पर दो अंडरपास, एक ओवरब्रिज और कैल से पांवटा साहिब तक नेशनल हाईवे की सौगात मिली है। जिससे



यमुनानगर। करोड़ों रुपये की लागत से बन रहा मेडिकल कॉलेज व शहर के बीचों बीच से गुजर रहे रेलवे मार्ग पर बने अंडरपास में से गुजरते राहगिर।

जिलेवासियों को काफी लाभ पहुंचा है।

बारह सौ करोड़ रुपये की लागत से बन रहा मेडिकल कॉलेज

लंबे अर्से से जिले में पीजीआई की

अलविदा 2025: इस साल करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाओं की मिली सौगात



यमुनानगर। करोड़ों रुपये की लागत से बन रहा मेडिकल कॉलेज व शहर के बीचों बीच से गुजर रहे रेलवे मार्ग पर बने अंडरपास में से गुजरते राहगिर।

निर्माण कार्य किया जा रहा है जो शुभारंभ होने के अंतिम चरण में पहुंच चुका है। वर्ष 2023 में प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री रहे एवं वर्तमान में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने भूमि पूजन करते शुभारंभ किया था। जिसका निर्माण कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है और यह अंतिम चरण में है। यह जल्द बनकर तैयार हो जाएगा। इस मेडिकल कॉलेज से जिले समेत आसपास के जिलों व राज्यों के लाखों लोगों को लाभ मिलेगा।

ट्रेन हादसों व जाम से मिला छुटकारा

शहर के बीचों बीच गुजर रहे सहारनपुर-अंबाला रेल मार्ग पर हर वर्ष सैकड़ों लोगों की ट्रेन की चपेट में आने से जान चली जाती थी। जिसे देखते हुए इस वर्ष हरियाणा सरकार के प्रयासों से रेलवे विभाग द्वारा गांधीनगर व जमना गली पर पड़ने वाली रेलवे कासिंग पर करोड़ों रुपये की लागत के दो अंडरपास की सौगात मिली है। वहीं, शहर के पुराने राहवे मार्ग पर स्थित रेलवे कासिंग पर करोड़ों रुपये की लागत से ओवरब्रिज का निर्माण किया गया है। जिसकी सौगात लोगों को मिल चुकी है। इसके बनने से शहर में आए दिन लगाने वाले जाम व रेलवे मार्ग पर होने वाले हादसों से लोगों को छुटकारा मिलने में मदद मिली है।

कैल से पांवटा साहिब नेशनल हाईवे की मिली सौगात

हिमाचल व हरियाणा समेत अन्य राज्यों को जोड़ने वाले कैल से पांवटा साहिब तक नेशनल हाईवे की सौगात भी वर्ष 2025 में जिलेवासियों को मिली है और इसका निर्माण कार्य भी अंतिम चरण में है। जिसके जल्द शुभारंभ होने से कई राज्यों के लोगों का सफर आसान होगा। वहीं, यमुनानगर से पैहवा तक सड़क मार्ग के फोरलेन बनाए जाने की इसी वर्ष में मुख्यमंत्री नारायण सिंह सेनी ने हाल ही में घोषणा की है।

खबर संक्षेप



शहीद उधम सिंह ने ब्रिटिश साम्राज्यवाद से लड़ने के लिए समाज की एकजुटता पर दिया था जोर : महीपाल

राष्ट्र। अखिल भारतीय किसान सभा के तत्वावधान में गांव चमरोड़ी में शहीद उधम सिंह जयंती के उपलक्ष्य में शनिवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का अध्यक्षता वाम कमिटी प्रधान वेद पाल ने की। कार्यक्रम में वाम वारियों ने शहीद उधम सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर शहीदों के दिव्यांग मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। किसान सभा के जिला सचिव महीपाल ने बताया कि शहीद उधम सिंह ने ब्रिटिश साम्राज्यवाद से लड़ने के लिए समाज की एकजुटता पर जोर दिया था। क्योंकि अंग्रेज भारत की एकता को किन्न-भिन्न करने के लिए साम्प्रदायिक ताकतों का इस्तेमाल कर रहे थे। सभा को संबोधित करते हुए किसान सभा के जिला कोषाध्यक्ष चारु लाल तंवर ने शहीद उधम सिंह के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रथम विश्वयुद्ध के बाद अंग्रेज सरकार युद्ध के समय भारतीयों से किए गए वादों से परत गई। 13 अप्रैल 1919 के जलियांवाला बाग हत्याकांड ब्रिटिश सरकार की क्रूरता का नमूना था। इन घटनाओं ने उधम सिंह के मन अंग्रेजी सरकार विरुद्ध लड़ने कातिरकी जन्म पैदा किया। उधम सिंह ने जलियांवाला बाग हत्याकांड के दोषी माइकल ओडवार्थ को लंदन में एक भरी सभा में गोलीयों से मूककर ब्रिटिश सरकार की नांव हिला डाला।



महिलाओं के विरुद्ध अपराधों के मामलों को गंभीरता से लें अधिकारी: प्रीति

यमुनानगर। जिलास्तरीय विजिलेंस(सतर्कता) एवं मानिटरिंग कमिटी के सदस्यों की उपायुक्त कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया। उपायुक्त प्रीति ने बैठक का अध्यक्षता की। उपायुक्त प्रीति ने बैठक में अधिकारियों को महिलाओं के विरुद्ध अपराधों के तहत जो भी मामले आते हैं उनके केंसों को गंभीरता से लेने तथा समय पर पुलिस चालान प्रस्तुत करने और पीड़िता को नियमानुसार समय पर ब्याज मिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं के विरुद्ध घटने सभी मामलों के बारे में गंभीरता से जानकारी ली। इस दौरान जिला न्यायाधीश धर्मचंद ने बताया कि बैठक में उपायुक्त प्रीति ने चिह्नित अपराध, पाँचवें एक्ट, हत्याएं बलात्कार, महिलाओं से छेड़छाड़ के गंभीर मामले और महिलाओं के प्रति अपराधों के मामलों पर विचार किया। उन्होंने बताया कि पाँचवें एक्ट के केंसों पर भी गंभीरता से कार्य किया जा रहा है। ताकि दोषियों को सजा मिल सके। इस अवसर पर जेल अधीक्षक सत्येन्द्र कुमार, डीएसपी राजीव मिगलानी, जिला न्यायाधीश धर्मचंद व जिला कल्याण अधिकारी अनु बंसल समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।



जनता स्कूल में शहीद उधम सिंह जयंती कार्यक्रम में सहयोग करने स्टाफ को किया सम्मानित

राष्ट्र। कांबोज सभा द्वारा जनता पब्लिक स्कूल अलाहाबाद में कार्यक्रम आयोजित कर स्कूल के स्टाफ सदस्यों को 26 दिसंबर को शहीद उधम सिंह जयंती कार्यक्रम में सहयोग करने के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का अध्यक्षता कांबोज सभा के जिला अध्यक्ष लक्ष्मीचंद ने की। कांबोज सभा के जिला अध्यक्ष लक्ष्मीचंद ने कहा कि कार्यक्रम में स्कूल के अध्यक्ष व स्टाफ सदस्यों का सहयोग सराहनीय था। उन्होंने बताया कि स्कूल के बच्चों ने लांडे बेटे एक्ट से समाज को एक अच्छा संदेश देने का प्रयास किया है। उन्होंने बताया आज बच्चे सोशल मीडिया से जुड़कर वास्तविक रूप पर अवसर है। उन्हें समाज के मुख्य धारा से जोड़ना एक बहुत महत्वपूर्ण कार्य है। कांबोज धर्मशाला राष्ट्र के प्रधान वेद प्रकाश ने बताया कि विद्यालय सदैव इस प्रकार के कार्यों में बढ़ चढ़कर भाग लेता है। शहीद शिरोमणि उधम सिंह कांबोज के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में जनता पब्लिक स्कूल के बच्चों ने जिस प्रकार समाज को आईना दिखाने का काम किया है वह यह कार्य काबिले तरीका है।

बीमा पॉलिसी वलेम के नाम पर व्यक्ति के अकाउंट से निकाले पांच लाख 92 हजार रुपये

यमुनानगर। साइबर ठगों ने शहर की हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी प्रमोद कुमार से बीमा पॉलिसी वलेम के नाम पर आनलाइन ठगों करके पांच लाख 92 हजार रुपये ठग लिए। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी प्रमोद कुमार ने साइबर कांडम थापा पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने अपनी बीमा पॉलिसी कार्रवाई हुई है। उसकी बीमा पॉलिसी का वलेम आना था। गत 14 दिसंबर को उसके मोबाइल पर एक व्यक्ति का फोन आया। फोन करने वाले व्यक्ति ने खुद को बीमा कंपनी का कर्मचारी बताया। इसके बाद आरोपी ने बीमा पॉलिसी वलेम के नाम पर उसके मोबाइल पर एक लिंक भेजा। आरोपी ने लिंक पर क्लिक कर अपनी सारी डिटेल्स भरने को कहा। जब उसने आरोपी को कलने के अनुसार लिंक पर क्लिक कर अपनी डिटेल्स भरने को उसके अकाउंट से अलग-अलग करके पांच लाख 92 हजार रुपए निकलने का मैसेज आया। मैसेज देखकर उसके पैरों तले से जमीन खिसक गई। उसने बैंक में जाकर अपना अकाउंट ब्लॉक करवाया और मामले की सूचना साइबर कांडम थापा पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जिले के साढ़ौरा खंड के गांव रसूलपुर में जनता दरबार और रात्रि ठहराव का आयोजन

शिक्षा के अभाव के कारण ही समाज में हो रहा है विघटन: उपायुक्त प्रीति

उपायुक्त प्रीति ने लोगों की समस्याएं सुनी अधिकार समस्याओं का मौके पर निपटान कर दिया गया

हरिभूमि न्यूज ► यमुनानगर

हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा खंड साढ़ौरा के गांव रसूलपुर के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में जनता दरबार व रात्रि ठहराव का आयोजन किया गया।

इस दौरान उपायुक्त प्रीति ने लोगों की समस्याएं सुनी। अधिकांश समस्याओं का मौके पर निपटान कर दिया गया। जबकि शेष समस्याओं को संबंधित अधिकारियों को सौंपकर उनका जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। मौके पर पुलिस अधीक्षक कमलदीप समेत जिले के सभी



यमुनानगर। गांव रसूलपुर के राजकीय स्कूल में आयोजित जनता दरबार व रात्रि ठहराव कार्यक्रम में लोगों की समस्याएं सुनते हुए उपायुक्त प्रीति व अन्य अधिकारी।

विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। उपायुक्त प्रीति ने कहा कि प्रशासन गांवों के लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए गांव तक पहुंच रहा है।

लोगों द्वारा रखी गई समस्याओं में से जिनका समाधान मौके पर संभव था। उनका तत्काल निपटारा कर दिया गया है। शेष समस्याओं पर इसी सप्ताह विचार कर

समाधान किया जाएगा तथा जो समस्याएं बजट से संबंधित हैं। उन्हें भी समय रहते विचार विमर्श कर पूरा किया जाएगा।

उपायुक्त प्रीति ने अभिभावकों से जिन बच्चों ने दसवीं के बाद पढ़ाई छोड़ दी है उन्हें दोबारा शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह सभी को गर्व महसूस कराता है जब

लोग बताते हैं कि उनके बच्चे शिक्षित हैं या उन्हें नौकरी मिली है। बच्चों को शिक्षा दिलाने से अनेक सामाजिक बुराइयों से बचा जा सकता है।

शिक्षा के अभाव के कारण ही समाज में विघटन हो रहा है और कम उम्र में विवाह होने से कई समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं। जब तक समझ आती है। तब तक

रात्रि ठहराव कार्यक्रम में पंचायत के सदस्य होने जरूरी

उपायुक्त प्रीति ने कहा कि मविध्य में गांव में आयोजित होने वाले जनता दरबार व रात्रि ठहराव कार्यक्रमों में पंचायत के सभी सदस्य मौजूद रहें। पंचायत सदस्यों से उनके वार्ड से संबंधित समस्याओं के बारे में भी पूछा जा सकता है जिससे पंचायत की जवाबदेही तय हो सके। जिस प्रकार पूरा प्रशासन कार्यक्रम में उपस्थित रहता है। उसी प्रकार सभी पंचायत की उपस्थिति भी आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों व वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों के पालन करने के लिए आह्वान किया। उन्होंने कहा कि दोपहिया वाहन चालक हेलमेट अवश्य पहनें तथा चार पहिया वाहन चालक सीट बेल्ट जरूर लगाएं। जिससे दुर्घटना की स्थिति में जान की रक्षा हो सके। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने नाबालिग बच्चों को वाहन न चलाने दें तथा 18 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों को भी बिना हेलमेट के मोटरसाइकिल न दें। मौके पर लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों के पालन करने और नशे से दूर रहने की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कमलदीप गौयल ने कहा कि समय के साथ समाज में बदलाव आया है और अब हमें महिलाओं के अधिकारों के प्रति और अधिक संवेदनशील होना होगा। उन्होंने कहा कि लड़कियों को उच्च शिक्षा अवश्य दिलाएं। ताकि वे पढ़ लिखकर सक्षम बन सकें और अपने जीवन का लक्ष्य स्वयं तय कर सकें। इस अवसर पर जिला परिषद वेयरमैन रमेश ठाकुर, अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा, सीईओ जिला परिषद सुशील कुमार, एसडीएम व्यासपुर जसपाल सिंह गिल, सीटीएम पीयूष गुप्ता, जिला परिषद के डिप्टी सीईओ जसविंदर, अंडर ट्रेनिंग आईएएस सुमन यादव व डीएसपी हरविंद सिंह आदि मौजूद रहे।

परिवार टूटने की कगार पर पहुंच जाते हैं। परिवारों को जोड़ने का कार्य समाज ही कर सकता है।

इसलिए समाज की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह परिवारों को टूटने से बचाएं।

पड़ोसी युवक पर चार वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म करने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ► यमुनानगर

शहर जगाधरी क्षेत्र में पड़ोसी युवक पर चार वर्षीय मासूम बच्ची से दुष्कर्म किए जाने का आरोप लगा है। पुलिस ने बच्ची का मेडिकल करवाया। जिसमें उसके साथ दुष्कर्म की पुष्टि हुई है। बाद में पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार शहर जगाधरी थाना क्षेत्र निवासी एक महिला ने पुलिस को दी

शिकायत में बताया कि शुरुवार को वह अपने पति के साथ काम पर गई थी। वह बच्ची को पड़ोस में रहने वाले परिचित युवक पंकज के पास छोड़ गए थे। शाम को घर लौटने के बाद जब वह बच्ची को शौच के लिए लेकर गई तो बच्ची ने दर्द की शिकायत की। इस पर मां ने जब बच्ची के निजी अंगों की जांच की तो उसके साथ दुष्कर्म की आशंका हुई। यह देखकर उसके होश उड़ गए। जब उसने बच्ची से इस बारे पूछा तो उसने पूरी बात बताई।

युवक ने शादी का झांसा देकर नाबालिग लड़की को किया अगवा

हरिभूमि न्यूज ► यमुनानगर

यमुनानगर। शहर जगाधरी की एक कॉलोनी में युवक शादी का झांसा देकर नाबालिग लड़की को अगवा करके ले गया। मां की शिकायत पर युवक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की। जानकारी के अनुसार महिला ने बताया कि उसकी 16 वर्षीय लड़की 25 दिसंबर को दोपहर डेढ़ बजे घर से बाहर गई थी उसके बाद वापस नहीं लौटी। काफी तलाश करने के बाद भी उसकी लड़की का कुछ भी पता नहीं चला।

विद्यार्थी शहीदों के आदर्शों को जीवन में अपनाएं

हरिभूमि न्यूज ► यमुनानगर

स्टार वेय सीनियर सैकेंडरी स्कूल खुर्वी में शहीद ए आज़म शहीद उधम सिंह की जयंती के अवसर पर देशभक्ति से ओतप्रोत गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्रधानाचार्या दीपमाला कांबोज ने की। मौके पर विद्यार्थियों ने देशभक्ति के गीतों पर प्रस्तुतियां देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यालय की प्रधानाचार्या दीपमाला कांबोज ने बताया कि



कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना व वंदेमातरम गीत से किया गया। इसके बाद बच्चों ने देशभक्ति से ओतप्रोत कविताएं, देशभक्ति गीत व नृत्य प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मौके पर बच्चों ने देशभक्ति से संबंधित अपने विचार प्रस्तुत कर सभी में देश की एकता एवं अखंडता का जोश भर दिया। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों द्वारा दी गई प्रस्तुतियों ने स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीदों के बलिदान को जीवंत कर दिया। प्रधानाचार्या दीपमाला कांबोज ने बताया कि शहीद उधम सिंह के देश के लिए दिए गए योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है।

राजकीय स्कूल के पास गंदगी के ढेर पड़े रहने से वातावरण हो रहा दूषित

हरिभूमि न्यूज ► रादौर

गांव जठलाना के राजकीय स्कूल के नजदीक बरसान जाने वाले रास्ते पर गंदगी के ढेर पड़े होने से आसपास का वातावरण दूषित हो रहा है। जिससे बच्चों व आसपास के लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ने की संभावना बन गई है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन व ग्राम पंचायत से राजकीय स्कूल के पास पड़े गंदगी के ढेर को तुरंत उठवाए जाने व साफ सफाई करवाए जाने की मांग की है। क्षेत्र के गांव अलाहाबाद निवासी सुनील,संजीव, रमेश,



यमुनानगर। बरसान जाने वाले रास्ते पर पड़ा गंदगी का ढेर।

अजमेर, नरेश, अनिल कुमार, प्रवीण, हिशाम, कृष्ण, अनिल शर्मा व सुनील आदि ने बताया कि गांव जठलाना में राजकीय स्कूल के नजदीक बरसान को जाने वाले रास्ते पर भारी मात्रा में गांव की गंदगी के ढेर पड़ा हुआ है।

सावित्री बाई फुले की धूमधाम से श्रद्धापूर्वक मनाई जाएगी जयंती

राष्ट्र। सैनी समाज द्वारा तीन जनवरी को खेड़ा मोहल्ला रादौर में सावित्री बाई फुले की 194 वीं जयंती धूमधाम एवं श्रद्धापूर्वक मनाई जाएगी। इस संबंध में सैनी समाज ने शनिवार को बैठक का आयोजन कर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं की ड्यूटियां लगाईं। बैठक की अध्यक्षता समाज के प्रधान संदीप सैनी ने की। सैनी समाज रादौर के प्रधान ने बताया कि सावित्री बाई फुले का जन्म 3 जनवरी 1831 को हुआ था। सावित्री बाई एक महान व्यक्ति की स्वामी थी। उन्होंने सामाजिक बुराइयों को खत्म करने के लिए आवाज उठाई थी। हमें भी समाज में फैली बुराइयों को दूर करने के लिये आज सावित्री बाई फुले द्वारा दिखाये गये मार्ग पर चलने की आवश्यकता है।

छात्रों में रचनात्मक सोच होना जरूरी

राष्ट्र। शहीद भगत सिंह पब्लिक स्कूल झींवरहेड़ी में शिक्षकों के लिए रचनात्मक एवं आलोचनात्मक चिंतन विषय पर इन हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में विषय विशेषज्ञ कपिल बत्रा ने शिक्षकों को विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच, तर्क शक्ति, समस्या समाधान तथा स्वतंत्र विचार विकसित करने के व्यावहारिक तरीकों से अवगत करवाया। उन्होंने शिक्षकों को समझाया अब कक्षा भवन में बच्चों के साथ आत्मीयता और व्यावहारिक ज्ञान देकर उनका सर्वांगण विकास करना बेहद जरूरी है। मौके पर



यमुनानगर। शहीद भगत सिंह पब्लिक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते शिक्षक।

विद्यालय प्रबंधक बलवंत सिंह व शिक्षिका कविता रानी ने कपिल बत्रा का हार्दिक धन्यवाद किया। प्रधानाचार्या सुश्री रूही रानी ने प्रशिक्षण को उपयोगी बताते हुए इसकी सराहना की। उप प्रधानाचार्या जाहिदा ने भी धन्यवाद ज्ञापित करते हुए ऐसे कार्यक्रमों की आवश्यकता पर बल दिया।

मौसम

आए दिन घना कोहरा छाए रहने व शीतलहर चलने से लोगों के कामधंधे हुए प्रभावित

घना कोहरा छाए रहने और शीतलहर चलने से हाडतोड़ ठंड ने कपकंपाया

ठंड के कारण घरों में दुबकने को हो रहे मजबूर

हरिभूमि न्यूज ► यमुनानगर

पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी व जिले में पिछले कई दिन से सुबह के वक्त घना कोहरा छाए रहने और शीतलहर चलने से मौसम में बढ़ रही ठंड से लोगों के कामधंधे प्रभावित हो गए हैं। आलम यह है कि आए दिन सुबह के वक्त घना कोहरा छाए रहने व शीतलहर चलने से



यमुनानगर। शनिवार को घना कोहरा के बीच सड़क से गुजरते वाहन और कड़के की ठंड में अलाव जलाकर संकटें हुए कामकाजी लोग।

लोग घरों में दुबकने को मजबूर हो गए हैं। शनिवार को भी जिले में घना कोहरा छाए रहने और शीतलहर



चलने तथा आसमान में धुंध के बादल छाए रहने से जिले का तापमान घटकर अधिकतम 19 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम मात्र 6 डिग्री सेल्सियस रह गया। शनिवार को लोगों को

जिलेवासियों को उम्मीद थी कि ठंड से कुछ राहत मिलेगी। मगर ऐसा नहीं हुआ और लोगों को घने कोहरे व शीतलहर का सामना करना पड़ा। आलम यह रहा कि दोपहर तक जहां सड़कों पर घना कोहरा छाया रहा, वहीं, शीतलहर चलने के साथ दिन भर आसमान में धुंध के बादल छाए रहे। जिसकी वजह से मौसम में हाडतोड़ ठंड बनी रही। खास बात तो यह रही कि दोपहर तक लोग अपने कामधंधे पर जाने के लिए हिमत् नही जुटा सकें और

अधिकांश लोग घरों में दुबक रहे। इस दौरान जो लोग अपनी दुकानों या अपने गंतव्यों पर पहुंचे, वह या तो हीटर पर या फिर अलाव जलाकर संकटे नजर आए। वहीं, मौसम में ठंड बढ़ने से बच्चे, बुजुर्ग व लोग बीमारियों से जकड़ने लगे हैं। अस्पतालों में खांसी, जुकाम, बुखार व अन्य बीमारियों से पीड़ित लोगों की ओपीडी बढ़ने लगी है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अभी अगले कुछ दिन मौसम में और ठंड बढ़ने की उम्मीद है।

मां भद्रकाली शक्तिपीठ में सेवा संकल्प कर मनाया नववर्ष अभिनंदन समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

वर्ष के अंतिम शनिवार को हरियाणा के एकमात्र शक्तिपीठ श्रीदेवीकूप भद्रकाली मंदिर कुरुक्षेत्र में कैलेंडर नववर्ष 2026 अभिनंदन समारोह एवं सेवा संकल्प दिवस अत्यंत श्रद्धा, भक्ति, हर्षोल्लास और भव्यता के साथ मनाया गया। पीठाध्यक्ष सतपाल शर्मा ने बताया कि इस पावन अवसर पर हजारों की संख्या में हरियाणा के विभिन्न जिलों से आए सेवकों ने मां भद्रकाली के चरणों में शीश नवाकर सेवा, साधना और समर्पण का संकल्प लिया। साथ ही आगामी नव वर्ष में संपूर्ण निष्ठा से मां भद्रकाली जी की सेवा करने की शपथ ली।



कुरुक्षेत्र। मंदिर परिसर में आरती करते विधानसभा अध्यक्ष हरविंद कल्याण, पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा व अन्य।

कार्यक्रम को शुरूआत प्रातः 10 बजे मां भद्रकाली संकीर्तन मंडल द्वारा भजन-नर्तन से हुई इसके उपरंत

प्रातः 11 बजे शक्तिपीठ के अन्नपूर्णा भवन में भव्य हवन यज्ञ का आयोजन किया गया।

रंगीन लाइटों और पुष्पों से की सजावट

शक्तिपीठ परिसर को लाल ध्वजों, पुष्प सजा, रंगोलियों इत्यादि से भव्य रूप से सजाया गया। हवन यज्ञ में संपूर्ण पूजन जैसे कलश पूजन, उचोति पूजन, देवी देवताओं का आह्वान, शक्तिपीठ परिक्रमा पूजन इत्यादि मां की कंजक श्लोका पंडित द्वारा किया गया। पीठाध्यक्ष सतपाल शर्मा की पोती, मात्र पांच वर्ष की कंजक श्लोका पंडित द्वारा शुद्ध, स्पष्ट एवं वैदिक मंत्रोच्चारण ने सभी श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। पूजाहुति के साथ आरती से हवन समाप्त हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधानसभा अध्यक्ष हरविंद कल्याण तथा विशेष अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री सुभाष सुधा विशेष उपस्थित रहे। पीठाध्यक्ष ने मुख्य अतिथियों को माता की लाल शक्ति चुनरी व पुष्प माला से आशीर्वाद दिया। विशेष रूप से तैयार किए गए विशाल हवन कुंड में विधि-विधानपूर्वक सभी उपस्थित भक्तों द्वारा भी देवी मंत्रों एवं दुर्गा सप्तशती के अध्यायों के साथ आहुतियों दी गईं।

जय भद्रकाली के उद्घोष से गूंजा परिसर

इस भावपूर्ण क्षण पर पूरा परिसर जय भद्रकाली के उद्घोष से गूंज उठा। विधानसभा अध्यक्ष हरविंद कल्याण ने कहा कि वे सौभाग्यशाली हैं कि मां के दर्शन कर नया साल शुरू करेंगे, उन्होंने हरियाणा प्रदेश की सुख समृद्धि की कामना की। पूर्व मंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि मां भद्रकाली दरबार के कार्यक्रमों जैसे कार्यक्रम उन्होंने किसी भी मंदिर में होते नहीं देखे। पीठाध्यक्ष द्वारा सुभाष सुधा का महानौरव स्थल को जोड़ने के लिए पुल निर्मित की अनुमति देने के लिए भी धन्यवाद किया गया। जय भगवान शर्मा डीडी ने कहा कि हमारे कुरुक्षेत्र का सौभाग्य है कि शक्तिपीठ का गौरव आज संपूर्ण विश्व में गूंज रहा है और बड़े से बड़े व्यक्ति आज मां के दर पर नतमस्तक होते हैं। पीठाध्यक्ष सतपाल शर्मा ने अपने संबोधन में भक्तों को मां की सेवा में स्वयं को समर्पित करने के लिये प्रेरणादायक कठानियों सुनाईं हवन में देवी भागवत में वर्णित मकरबल व हवन अंगिरे से खीरे बनाई गईं, जिसका मां को भोग लगा व बाद में उसी खीर का प्रसाद वितरण हुआ।

ये रहे मौजूद

भाजपा जिलाध्यक्ष तेजेंद्र सिंह गोल्डी, सरस्वती बोर्ड के चेयरमैन धूमन सिंह किरमिच, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि मलकीत ढांडा, ईओ राजेश कुमार उपस्थित रहे। पूर्व जिलाध्यक्ष रवि बतान, राजकुमार सेनी, सुशील राणा, पूर्व जिला परिषद चेयरमैन गुरुदयाल सरोहड़ी, मार्केट कमिटी के चेयरमैन सुरेश सेनी, सभी पार्षद, मंडल अध्यक्ष इत्यादि उपस्थित रहे। हवन का सीधा प्रसारण मंदिर के फेसबुक पेज पर भी किया गया। मंत्र संवाहन देवांशु शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष नरेन्द्र वालिया, उपाध्यक्ष डॉ एम के मोदगिल, सेवा प्रमुख देवेन्द्र गर्ग, संयोजक सुनील वर्मा, प्रो हेमराज शर्मा, शकुंतला देवी, स्नेहल शर्मा, देवीदयाल शर्मा, प्रीतम, अजय पॉल, निकुंज शर्मा, राज कुमार, जीवन मोदगिल सहित अनेक सेवक मंडल के सदस्य एवं गणमान्य भगत उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

एलसीएलओ यूनिनयन आज घेरगा सीएम आवास

कुरुक्षेत्र। एलसीएलओ का शांतिपूर्ण एवं अनुशासित धरना-प्रदर्शन लगातार 100वें दिन में प्रवेश कर गया। यह धरना कुरुक्षेत्र जिला उपायुक्त कार्यालय के समक्ष निरंतर जारी है। कड़ाके की ठंड एवं प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद एलसीएलओ पूरी दृढ़ता, धैर्य और एकजुटता के साथ अपनी जायज मांगों को लेकर संघर्षरत है। एलसीएलओ यूनिनयन हरियाणा (सीटू) से संबंधित रडर कर्मचारी संघ के सहयोग से 28 दिसंबर को 100 दिन पूरे होने पर मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा। यूनिनयन ने स्पष्ट किया है कि जब तक एलसीएलओ की मांगों को स्वीकार नहीं किया जाता, तब तक धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा।

विद्यार्थियों ने निकाली जागरूकता रैली



कुरुक्षेत्र। जिला एवं सत्र न्यायधीश, कुरुक्षेत्र दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुरुक्षेत्र की सीजेएम एवं सचिव नीतिका भारद्वाज के दिशानिर्देशांसार बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत कुरुक्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। शिविरों के दौरान विद्यार्थियों को यह जानकारी दी गई कि बाल विवाह कानूनन दंडनीय अपराध है तथा इस सामाजिक कुरीति के विरुद्ध सभी को अपनी आवाज उठानी चाहिए।

आयुष विश्वविद्यालय में साहिबजादों की शहादत को किया नमन

धर्म और अत्याचार के विरुद्ध इतिहास में अमर है साहिबजादों का बलिदान: मेजर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान के मार्गदर्शन में गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों की शहादत को स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता गुरुनानक स्कूल के प्राचार्य सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. मेजर सिंह ने शिरकत की, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलसचिव प्रो. ब्रिजेंद्र सिंह तोमर ने की। इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ. मेजर सिंह ने कहा कि साहिबजादों का बलिदान भारतीय इतिहास में अद्वितीय है, जिन्होंने अत्याचार के आगे झुकने के बजाय धर्म और सत्य की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उनके आदर्श आज भी समाज को नैतिक मूल्यों, राष्ट्र प्रेम और आत्मबलिदान की प्रेरणा देते हैं। डॉ. मेजर सिंह ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण ने महाभारत में कहा था कि जब-जब धरती पर अधर्म बढ़ता है, तब-तब धर्म की स्थापना के लिए भगवान स्वयं अवतार लेते हैं। जब कश्मीरी पंडितों को जबरन धर्म परिवर्तन के लिए यातनाएं दी गईं, तब मानवता और धर्म की रक्षा के लिए नौवें सिख गुरु तेग बहादुर जी ने औरंगजेब के अत्याचारों के



कुरुक्षेत्र। गुरुनानक स्कूल के प्राचार्य सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. मेजर सिंह को स्मृति चिह्न भेंट करते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

गुल सेना के खिलाफ दिखाई वीरता

गुरु गोबिंद सिंह जी के ज्येष्ठ पुत्र साहिबजादा अजीत सिंह जी और द्वितीय पुत्र साहिबजादा जुझार सिंह जी ने 1705 में चमकौर साहिब के युद्ध में गुल सेना का सामना करते हुए वीरता की अनुपम मिसाल पेश की। मुख्यवक्ता ने इतिहास के पन्नों में दर्ज वह घटना भी साझा की, जब गुरु गोबिंद सिंह जी के छोटे साहिबजादे जोरार सिंह जी (9 वर्ष) और साहिबजादा फतेह सिंह जी (6 वर्ष) को सरहिंद में बंदी बनाकर अमानवीय यातनाएं दी गईं और दोनों साहिबजादों को जिंदा दौंवार में चिन्वा दिया गया। डॉ. मेजर सिंह ने बताया कि साहिबजादों को बार-बार धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डाला गया, परंतु उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि न तो उनके दादा गुरु तेग बहादुर जी ने इस्लाम स्वीकार किया और न ही वे कभी करेगे। छोटी उम्र में भी साहिबजादों ने अत्याचार सह्य, दृढ़ निष्ठा और धर्म के प्रति अटूट विश्वास का परिचय देते हुए बलिदान दिया।

ये रहे मौजूद : इस अवसर पर समाजसेवी रणजित सिंह, डॉ. हरिप्रकाश शर्मा, वैतन सिंह, विश्वविद्यालय के डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो.राधेश सिंह, प्रो. सीमा राजी, प्रो. रवि राज, प्रो. राजेंद्र चौधरी, प्रो. वीरम, प्रो. कृष्ण कुमार, उप कुलसचिव अतुल गोयल, डॉ. सत्येंद्र सांगवान व डॉ. प्रीति गहलोत सहित अन्य उपस्थित रहे।

विरुद्ध आवाज उठाई और धर्म की रक्षा हेतु अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। यही नहीं, गुरु गोबिंद सिंह जी ने भी अपने पिता के बलिदान से प्रेरणा लेकर धर्म और आत्मसम्मान की रक्षा का मार्ग अपनाया।

चार साहिबजादों के शहीदी दिवस पर लगाया लंगर



कुरुक्षेत्र। सिख इतिहास के अद्वितीय बलिदान और साहस की अमर गाथा को याद करते हुए चार साहिबजादों की शहीदी दिवस पर बोहली-बजौलीपुर मोड़ पर विशाल लंगर मंडार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने गुरु परंपरा के चारों साहिबजादों अजीत सिंह, जुझार सिंह, जोरार सिंह और फतेह सिंह जी को श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। कार्यक्रम का आयोजन बाबा मखा सिंह, तरसेम सिंह, राजेश गुप्ता, राहुल मोगिया, सतनाम, देव, शिवांग और रुबल के सहयोग से किया गया। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि गुरु के साहिबजादों की शहदत सभी मानवता के लिए प्रेरणास्रोत है, जिसने सत्य, धर्म और आत्मबल की रक्षा के लिए अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। श्रद्धालुओं को गरम लंगर परोसा गया और गुरु वंश साहिब के पावन शब्दों की कीर्तन ध्वनि से वातावरण भक्तिमय बना रहा। बच्चों व युवाओं ने भी सेवा कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

साहिबजादों व मोती लाल की याद में लगाया लंगर



कुरुक्षेत्र। मोती लाल मेहरा जिन्होंने गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों को ठंडे जुजु में दूध की सेवा की थी। उस समय के वजीर जहांगीर ने मोती लाल मेहरा परिवार को कोरहू में पीस दिया था। उसी की याद में मेहरा बिरादरी की ओर से गुरु गोबिंद सिंह जी के चार साहिबजादों की याद में गर्म दूध व रस, बिरुट का लंगर गुरुद्वारा छठी पतशाही के समक्ष लगाया गया। इन्होंने राहगीरों ने दूध का प्रसाद ग्रहण किया। राकेश कुमार मेहरा ने बताया कि हम हर वर्ष मोती लाल मेहरा की याद में व साहिबजादों की याद में दूध का लंगर लगाते हैं। इस मौके पर गुरुद्वारा कुमार रतन, कुलदेव सिंह भट्टी, अमरीक सिंह, वजीर गाबा, सुखदेव सिंह भट्टी व अन्य सेवादारों ने सेवा की।

न्यूज डायरी

शहर के हर वार्ड और सेक्टर की सड़कों और गलियों का किया जा रहा निर्माण कार्य : सुधा

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि प्रदेश सरकार की तरफ से थानेसर शहर के हर वार्ड और सेक्टर की खराब सड़कों और गलियों का निर्माण कार्य किया जा रहा है। इस शहर में लगभग सभी प्रमुख सड़कों का नवीनीकरण किया जा चुका है। अभी जिन सड़कों का निर्माण कार्य लम्बित है उन सड़कों का निर्माण कार्य फरवरी माह के बाद शुरू कर दिया जाएगा। हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा शनिवार की नगर परिषद व आरडब्ल्यूपी की तरफ से आयोजित कार्यक्रमों में बोल रहे थे। इससे पहले पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने सेक्टर 4 वार्ड 14 में 9 लाख 34 हजार रुपये की लागत से बनवाए वाली 600 मीटर स्ट्रीम वाटर लाइन के निर्माण का शिलान्यास किया। इसके अलावा पूर्व राज्यमंत्री ने 27 लाख 94 हजार की लागत से वार्ड 8 मोहन नगर में विभिन्न गलियों जिनमें बालाजी मिलक ड्रेजरी से एडवोकेट अमर राज, कृष्ण के घर से निदा वाया मलकीत ढांडा के घर तक शामिल है, के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने 3 लाख 43 हजार रुपये की लागत से वार्ड 8 में ड्रा. जेन अरुपाल से विपिन शर्मा के घर तक बनने वाली गली तथा 8 लाख 22 हजार रुपये की लागत से सेक्टर 8 में 1046 बनने वाली गली के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया।

हम सभी को प्रेम और भक्ति से भगवान का ध्यान करना चाहिए : डा. सुरेश मिश्रा

कुरुक्षेत्र। श्रीदुर्गा देवी मन्दिर पिपली के पीठाधीश और समर्थगुरु मैत्री संघ हिमाचल के जेनरल कोऑर्डिनेटर आचार्य डॉ. सुरेश मिश्रा ने को गांव बजौलीपुर, कुरुक्षेत्र में विशेष मा चिंतपूर्णा की पूजा अर्चना के पावन अवसर पर रंकी मुखिया सुप्रत सुरेन्द्र कुमार और शैला के सभी परिवार को आदरणीय समर्थगुरु सिद्धार्थ औलिया द्वारा रचित श्रीसिद्धार्थ रामारण भेंट की गई। इस शुभ अवसर पर अनु. अंजु, निशा अरोड़ा, कॉमल मेहरा, आशा कवात्रा और सरोज शर्मा आदि के साथ सभी भक्तों ने मां दुर्गा की भेंट की गई और सुन्दर वृत्त किया। वैदिक मंत्रों से मां दुर्गा की पूजा अर्चना और आरती करवाई। डॉ. मिश्रा ने भगवान राम के सद्गुणों का गुणगान किया और सभी का जीवन मंगलमय हो उसके लिए मां दुर्गा का ध्यान और सामूहिक प्रार्थना की। हम सभी को प्रेम और भक्ति से भगवान का ध्यान करना चाहिए। समर्थगुरु सिद्धार्थ औलिया जी का सनातन धर्म में बहुत योगदान है।

नशा तस्करी को 13.75 ग्राम हेरोइन सहित किया गिरफ्तार

कुरुक्षेत्र। हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की यूनिट कुरुक्षेत्र ने कार्यवाही को अंजाम देते हुए प्रमुख नशीले पदार्थों की तस्करी में लिप्त एक नशा तस्करी को गांव जन्धरी, कुरुक्षेत्र से नशीले पदार्थ सहित गिरफ्तार किया है। यूनिट के प्रमारी निरीक्षक मांगे राम ने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि यूनिट की एक टीम एसआई गुरुनान सिंह के साथ नशीले पदार्थों की रोकथाम हेतु थाना शाहबाद के एरिया में मौजूद थी तभी एसआई को गुप्त सूचना मिली कि एक नशा तस्करी जो नशीले पदार्थ की तस्करी का काम करता है। जो अभी नशीला पदार्थ हेरोइन लिए हुए अपने घर के सामने तस्करी करने की फिराक में खड़ा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने युवक को काबू कर लिया।

6 तहसीलों और सब तहसीलों में एक दिन में 667 इंतकाल किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि कुरुक्षेत्र जिले की 6 तहसीलों व सब तहसीलों में एक दिन में 667 लम्बित इंतकालों के कार्यों को पूरा किया गया है। इस जिले की सभी तहसीलों में लोगों को पारदर्शी प्रणाली से सरकार की तमाम ऑनलाइन सुविधाओं का फायदा दिया जा रहा है। अगर किसी भी स्तर पर लापरवाही बरती गई तो सम्बन्धित अधिकारी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई भी अमल में लाई जाएगी।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने शनिवार को राज्यव्य विभाग के अधिकारियों को अपने-अपने कार्यालयों में बैठकर लम्बित इंतकालों के कार्य को पूरा करने के आदेश दिए थे। इन आदेशों के बाद जिला राजस्व अधिकारी वेतना चौधरी की देखरेख में थानेसर तहसील में 215, पिठोवा में 82, इस्माईलाबाद में 150, लाडवा में 72, बाबैन में 73 और शाहबाद में 75 लम्बित इंतकालों के कार्य को पूरा किया गया है। इस प्रकार इन् 6 तहसील कार्यालयों में कुल 667 इंतकाल किए गए हैं।

चिकित्सकों ने मरीजों की जांच कर दिया परामर्श

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र में आम नागरिकों को सुलभ, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सांसद नवीन जित्दल के मार्गदर्शन में नवीन जित्दल फाउंडेशन द्वारा मोबाइल मेडिकल यूनिट का संचालन किया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा जित्दल हाउस, कुरुक्षेत्र में जरूरतमंद मरीजों का फॉलो-अप किया गया और उन्हें आवश्यक चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गईं। मोबाइल मेडिकल यूनिट में तैनात चिकित्सकों ने मरीजों की जांच कर उन्हें स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया। इस बारे में जानकारी देते हुए डॉ. पूर्णमल ने बताया कि आज 80 लोगों की सामान्य स्वास्थ्य जांच की गई, जबकि 20 मरीजों के रक्त एवं मूत्र परीक्षण किए गए। जांच के उपरांत सभी मरीजों को आवश्यक दवाइयां निःशुल्क उपलब्ध करवाई गईं।

कार्यक्रम जरूरतमंदों को साइकिल व कंबल का किया वितरण

डीएवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में स्थापित कंप्यूटर एवं सिलाई सेंटर का निरीक्षण किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शाहबाद

रोटरी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन रवि प्रकाश अपनी धर्मपत्नी फर्स्ट लेडी ऑफ डिस्ट्रिक्ट शालिनी प्रकाश के साथ रोटरी क्लब शाहाबाद मारकंडा में आधिकारिक दौरे पर पहुंचे, जहाँ उनका क्लब प्रधान डॉ. आर. एस. घुम्मन एवं क्लब सदस्यों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ने अपने इस दौरे के दौरान दिग्भर विभिन्न सामाजिक, शैक्षिक एवं मानव सेवा से जुड़े कार्यक्रमों में भाग लेकर रोटरी क्लब के सेवा कार्यों की सराहना की। दौरे

असेंबली में सदस्यों ने दी गतिविधियों की जानकारी

इसके पश्चात क्लब असेंबली का आयोजन किया गया, जिसमें क्लब के सभी सदस्यों ने अपनी गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। दोपहर बाद जिला गवर्नर ने डीएवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में स्थापित कंप्यूटर सेंटर एवं सिलाई सेंटर का निरीक्षण किया तथा पास छात्रों को सर्टिफिकेट वितरित किए गए। तत्पश्चात उन्होंने मार्कंडेश्वर मंदिर तथा गुरुद्वारा मंजी साहिब में माथा टेका और सिद्धार्थ हॉस्पिटल पहुंचकर डायलिसिस सेंटर व रोटरी एम्बुलेंस सेवा का निरीक्षण किया। इस अवसर पर जिला गवर्नर रवि प्रकाश ने रोटरी क्लब शाहाबाद मारकंडा द्वारा किए जा रहे जगहगत कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि रोटरी सेवा ही रोटरी का मूल उद्देश्य है। शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में कंबल द्वारा किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं और मकिय में भी इसी उत्साह के साथ समाज सेवा जारी रखने की प्रेरणा दी। उन्होंने क्लब प्रधान डॉ. डॉ. आर. एस. घुम्मन की विशेष रूप से प्रशंसा करते हुए कहा कि डॉ. घुम्मन स्वयं अर्थों में सेवा भाव से जुड़े हुए, समर्पित और अत्यंत सक्रिय रोटरीयन हैं। उनके मार्गदर्शन में क्लब द्वारा किए जा रहे प्रोजेक्ट्स अतुलनीय, प्रभावशाली और समाज के लिए अत्यधिक उपयोगी हैं।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर सुभाष कलसना, विरचत माजपा नेता, जनमोहन मनचन्दा, प्रधान शिव मंदिर सभा, समाजसेवी यशपाल वाघवा, बी. डी. गाबा, डायरेक्टर नवयुवकी से. स्कूल, दीपक शिवाल, डायरेक्टर पेल्ल्याइन पब्लिक स्कूल, समाजसेवी तरलोचन सिंह हांडा, समाजसेवी राजेश बढेजा, रोटरी क्लब बराड़ा के प्रधान हरपाल सिंह, सचिव राजेश, साहिल शर्मा, तथा सभी रोटरीरिजस परिवार सहित तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

नवारंभ का संदेश लेकर नववर्ष द्वार पर खड़ा है। उसका स्वागत हम पूरे उत्साह-उमंग के साथ अवश्य करें। साथ ही आगामी नववर्ष में न केवल अपने जीवन को, अपने से जुड़े लोगों, समाज और पर्यावरण को बेहतर बनाने का संकल्प भी जरूर लें। न केवल संकल्प लें, उसे क्रियान्वित करने के लिए भी समग्र ऊर्जा से सक्रिय रहें। तभी आगामी वर्ष में चहुंओर नवचेतना का संचार होगा।

आवरण कथा

कुमार राधारमण

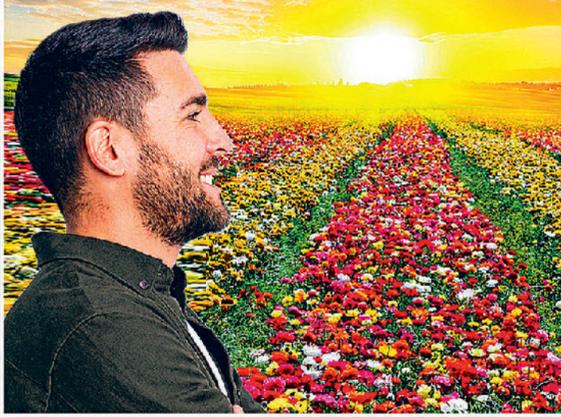
वर्तमान साल बीत रहा है। नए साल ने दस्तक दे दी है। नया साल सिर्फ कैलेंडर का बदल जाना नहीं होता है। यह बीत रहे साल की समीक्षा का अवसर भी है। हम सबकी कुछ अच्छी और कुछ कड़वी यादें इससे जुड़ी होंगी। नया साल विगत की अनुकूल स्मृतियों को सहेजने, उसे नए साल में नई ऊंचाइयों देने का अवसर है। यह प्रतिकूलताओं से सबक लेने का मौका है। जीवन की हर घटना सीखने का अवसर भी होती है। हम सब कई बार चूकते हैं। हमारी चूक निराशा का कारण न बने, हम अपनी गलतियों से सीखें। इसी में वर्तमान का उल्लास भी है और भविष्य का सुनहरा स्वप्न भी।

बनाए रखेंगे सकारात्मक दृष्टिकोण: नया साल, नए उत्साह, नई संभावनाओं, नए सपनों और नए संकल्पों को नए पंख देने का अवसर है। जीवन में हमेशा एक नई शुरुआत संभव है। बीत रहा साल चाहे जैसा रहा हो, नए साल में हम अपनी कहानी फिर से लिख सकते हैं। हर नए दिन का उपयोग हम अपने लक्ष्य के करीब जाने के लिए कर सकते हैं। यह सकारात्मक सोच से ही संभव होगा, क्योंकि चुनौतियों को अवसर में बदलने की क्षमता तभी विकसित होती है। हर समस्या, अपना समाधान भी लिए होती है। इसलिए,



बीता साल जैसा भी रहा, उसे धन्यवाद दें कि हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण प्रसंग उपस्थित हुआ। धन्यवाद इसलिए कि बीते साल की सफलताओं ने हमको आत्मविश्वास दिया, खुशियां दीं और असफलताओं ने हमको मजबूत, संवेदनशील और समझदार बनाया। प्रकृति नित नूतन है। यह नूतनता पुराने के प्रति आग्रह छोड़ने का निमंत्रण है। विगत चाहे स्वर्णकाल रहा हो, हमारी आज की चुनौतियां नई हैं और हमें आज की परिस्थितियों में निखरने के लिए हमेशा अपने मन के द्वार नए के लिए खुले रखने होंगे। विकास की यही परिभाषा है। सिर्फ व्यापार को ही नहीं, मन को भी मुक्त करने की जरूरत है। सभी समस्याओं की जड़ भूत और भविष्य से बंधा हमारा मन ही है, जबकि चुनौतियां वर्तमान की हैं। मुक्त मन समावेशी तो होता ही है, दूसरों की मुक्ति के द्वार भी खोलता है।

नववर्ष में हम करें नवचेतना का संचार



सीखेंगे नित नए कौशल: तेजी से बदलती इस दुनिया में निरंतर सीखना और अपना कौशल विकास करते रहना जरूरी है। व्यस्तता हमें अनचाहे ही अक्सर अपने प्रियजनों से दूर कर देती है। वास्तविक दुनिया के लोगों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना ही हमारा संकल्प हो। इससे क्षमाभाव मजबूत होगा, पुरानी कड़वाहट दूर होगी, संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी, मन हल्का और खुश रहेगा। अपने लिए यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करें। बड़े सपने देखें, बशर्ते उसे कार्यरूप देने का सामर्थ्य भी हम में हो।

तन-मन का रखेंगे ध्यान: स्वास्थ्य से बढ़कर कुछ भी नहीं। संतुलित आहार और पर्याप्त नींद भी हमारे संकल्प का हिस्सा हो। मौजूदा उन्मादी दौर में मानसिक स्वास्थ्य से ध्यान रखना भी जरूरी है। तनाव प्रबंधन सीखना और सकारात्मक मानसिकता विकसित करना आधुनिक जीवन की आवश्यकता है। हर हाल में अच्छाई खोजना और आशावादी रहना जीवन को रूपांतरित कर देता है। हम सक्षम हैं और सफल होने के योग्य हैं, यह विश्वास सदा बना रहे। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन है कि न तो सफलता अंतिम होती है, न असफलता घातक होती है, असली बात यह है कि आपमें जारी रखने का साहस है या नहीं।

धनार्जन भी है जरूरी: धन भी महत्वपूर्ण है। गरीब रखने वाली विचारधारा से दूर रहें। वित्तीय लक्ष्य तय करें। बचत और निवेश जरूरी है। व्यस्तता हमें अनचाहे ही अक्सर अपने प्रियजनों से दूर कर देती है। वास्तविक दुनिया के लोगों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना ही हमारा संकल्प हो। इससे क्षमाभाव मजबूत होगा, पुरानी कड़वाहट दूर होगी, संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी, मन हल्का और खुश रहेगा। अपने लिए यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करें। बड़े सपने देखें, बशर्ते उसे कार्यरूप देने का सामर्थ्य भी हम में हो।



अनिश्चितताओं से भरा है। अगली पीढ़ी के लिए सब सोचना आपका ही दायित्व नहीं है, अगली पीढ़ी खुद भी अपने लिए करेगी ही। आप अपने वर्तमान को स्वर्णिम बनाएं। जब आप खुब धन कमा लेंगे, एक दिन वही धन ऊब पैदा करने लगेंगा। भौतिक धन परमधन को पाने का साधन मात्र रहे। पावर ऑफ मैनिफेस्टेशन का उपयोग केवल धन को आकर्षित करने के लिए न करें। हमारे पास जो

कुछ भी है, उसके प्रति कृतज्ञता से जीवन में अच्छाई को आकर्षित करना भी सीखें। रहेंगे खुद के करीब: समय धन से भी अधिक कीमती है। इसका सदुपयोग करें। आलस्य छोड़ें, तभी हम अधिक उत्पादक और सफल बन पाएंगे। आलस्य छोड़ने का मतलब हर समय व्यस्त रहना नहीं है। आराम और मनोरंजन भी महत्वपूर्ण हैं। संतुलन चाहिए। आत्म-प्रेम समग्र विकास के लिए जरूरी है। अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए समय निकालना हमारे जीवन को समृद्ध बनाता है। लिहाजा, रोजमर्रा के जीवन में कुछ पल ऐसे जरूर हों, जो नितांत निजी हों, जिसमें मोबाइल की भी दखल न हो। अपने लिए समय निकालना जरूरी है। लेकिन यह औरों के बनाए रील्स देखने के लिए न हो। यह समय अपनी पसंद के काम करने, किताबें पढ़ने, संगीत सुनने, ध्यान करने या प्रकृति से जुड़ने का हो जो हमको तरोताजा कर दे।

समाज-पर्यावरण का रखेंगे ध्यान: सभ्य नागरिक अपने समाज और पर्यावरण के प्रति भी जिम्मेदार होता है। हमारी पृथ्वी रहने लायक बनी रहे, आने वाली पीढ़ियों के लिए हम आदर्श बनें, नया साल इस संकल्प से भरने का समय भी है। जरूरतमंदों की मदद और सामाजिक कार्यों में भागीदारी आंतरिक संतुष्टि देती है। अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलें और नई चीजें आजमाने का साहस रखें। जीवन एक साहसिक यात्रा है और नए अनुभव हमें जीवंत और उत्साहित रखते हैं। सच्ची खुशी और संतुष्टि अनुभव, रिश्ते और भीतरी शांति ही देती है।

शांति के लिए करेंगे प्रयास: इस समय दुनिया भर में राजनीतिक और आर्थिक कारणों से अस्थिरता, अनिश्चितता का माहौल है। भय और चिंता के इस परिदृश्य में, अंतर्मन की जितनी जरूरत आज है, पिछले कुछ दशकों में शायद ही रही हो। युद्धों की आहट अनेक आशंकाएं पैदा कर रही हैं। हमारी वास्तविक जरूरत शांति है। शांत मन ही गहरी से गहरी समस्या का सम्यक समाधान तलाश सकता है और एक बेहतर जीवन की ठोस आधारशिला तैयार कर सकता है। विश्व शांति किसी धर्म या हथियार से नहीं, बल्कि जागरूकता से, हृदय से आ सकती है और उसका मार्ग ध्यान है। इसी से मनुष्य, मनुष्य से जुड़ा महसूस करेगा। प्रतिकूल समय में ही ज्ञान, धर्म, साहस और ऊर्जा की परीक्षा होती है।

असली ज्ञान, ऊर्जा, धर्म और पारक्रम यह है कि हम जहां भी हों, वहां के आस-पास की प्रकृति कोमल हो जाए। हम जिनके बीच रहें, उनकी भलाई स्वतः प्रकट होने लगे। हमारे भीतर इतनी गहरी शांति उतर आए कि सबके प्रति एक स्वीकार भाव हो। हम इसके लिए अपने स्तर पर अवश्य प्रयास करेंगे, ऐसा संकल्प जरूर लें। तब निश्चय ही आगामी वर्ष खुशहाली से भरपूर होगा। *

विशेष : वैश्विक परिवार दिवस, 1 जनवरी

वर्ष का पहला दिन यानी 1 जनवरी को पूरी दुनिया में ग्लोबल फैमिली-डे मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य परिवार की महत्ता को समझना और पारिवारिक प्रेम-सौहार्द की भावना को व्यक्तिगत जीवन से लेकर समाज, देश ही नहीं पूरे विश्व में प्रसारित करना है।

व्यक्तिगत से वैश्विक कुटुंब तक बना रहे प्रेम-सौहार्द-शांति

आह्वान / शिखर चंद जैन

हर वर्ष 1 जनवरी को ग्लोबल फैमिली-डे यानी वैश्विक परिवार दिवस मनाया जाता है। यह दिन दुनिया भर के लोगों को एक बड़े वैश्विक परिवार के रूप में जोड़ने के साथ ही उनमें शांति, एकता, प्रेम और सौहार्द के मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है। **भारत की प्राचीन अवधारणा:** हमारे देश में तो प्राचीन काल से ही 'वसुधैव कुटुंबकम' की अवधारणा को महत्व दिया जाता रहा है। लेकिन आधुनिक विश्व में ग्लोबल फैमिली-डे मनाने की शुरुआत, संयुक्त राष्ट्र के 'शांति के एक दिन' की विचारधारा से हुई थी। इसे देश, धर्म या नस्ल की सीमाओं से परे सभी लोगों द्वारा मिलकर मनाया जाता है। इस प्रकार यह दिन प्रेम और सद्भाव फैलाने पर जोर देता है। यह दिन हमें दया दिलाता है कि हम सब एक वैश्विक गांव के ही सदस्य हैं और हमें सभी मतभेदों को भुलाकर एक परिवार की तरह रहना चाहिए। इसके तहत सभी को प्रेम, शांति और सौहार्द के साथ रहना सिखाया जाता है। दुनिया में शांति और सद्भाव को बढ़ावा देना और युद्ध-हिंसा से बचना इसका मूल उद्देश्य है।

कब-कैसे हुई शुरुआत: वैश्विक परिवार दिवस मनाने का विचार पिछली सदी में एक किताब से आया था। इसकी शुरुआत 1990 के दशक के अंत में हुई, जब 1997 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2000 को 'शांति की संस्कृति के लिए अंतरराष्ट्रीय दशक और विश्व के बच्चों के लिए अहिंसा' के रूप में घोषित किया। इस अवधारणा को स्टीव डायमंड और एलन सिल्वरस्टीन द्वारा लिखित बच्चों की एक किताब 'वन डे इन पीस, जनवरी 01, 2000' से प्रेरणा मिली। इस कहानी में एक ऐसी दुनिया की कल्पना की गई थी, जहां लोग 1 जनवरी को अपने सभी मतभेदों को एक तरफ रख देते हैं और भाईचारे की भावना का जश्न मनाते हैं। इसने 'शांति का एक दिन' समारोह की शुरुआत की। 1999 में, संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों को शांति लाने के लिए

वर्ष का पहला दिन समर्पित करने का औपचारिक निमंत्रण मिला। 2001 में, संयुक्त राष्ट्र ने आधिकारिक तौर पर इस दिन को मान्यता दी, और तब से हर साल 1 जनवरी को यह दिवस मनाया जाता है। **मनाती है पूरी दुनिया:** वैश्विक परिवार दिवस का उत्सव भौगोलिक सीमाओं से बंधा नहीं है, बल्कि यह एक वैचारिक उत्सव है। इसे किसी एक देश का पर्व मानने के बजाय, मानवता के प्रति एक वैश्विक दृष्टिकोण के रूप में मनाया जाता है। वैश्विक परिवार दिवस सरल, सार्थक कार्यों के बारे में ध्यान आकर्षित करता है, जो घर परिवार से लेकर वैश्विक एकता की भावना को दर्शाता है। **परिवार के संग मनाएं यह दिन:** यह दिन संघर्षों को भूलकर, एक-दूसरे के प्रति आभार व्यक्त करने और प्रेम फैलाने पर जोर देता है। इस पुरे दिन आप अपने परिवार के साथ समय बिता सकते हैं। इसके लिए परिवार के सदस्य एक साथ भोजन कर सकते हैं, कोई सामूहिक खेल, खेल सकते हैं या एक-दूसरे से बात करते हुए अच्छा समय गुजार सकते हैं। आप चाहें तो इस दिन को सामुदायिक सेवा के लिए स्वयंसेवा करके या वैश्विक स्तर पर शांति के लिए काम करने वाली संस्थाओं के लिए श्रमदान करके भी मना सकते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने ग्लोबल मित्रों की विभिन्न संस्कृतियों, उनकी परंपराओं, व्यंजनों



या कहानियों को साझा करके वैश्विक विविधता की भावना को मजबूत किया जा सकता है। **अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस से अलग:** हालांकि इस दिन को मनाने की शुरुआत मुख्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में हुई, लेकिन इसे अब दुनिया भर के लगभग हर देश के परिवारों द्वारा मनाया जाता है, जिसमें हर देश और संस्कृति के लोग शामिल होते हैं। इससे मिलता-जुलता एक और महत्वपूर्ण दिवस अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस (इंटरनेशनल डे ऑफ फैमिलीज) भी है, जो हर साल 15 मई को मनाया जाता है, इसे भी संयुक्त राष्ट्र ने ही घोषित किया था और यह भी परिवार के महत्त्व पर केंद्रित है। *

कविता
राजेंद्र श्रीवास्तव

एक वर्ष फिर बीत गया

बीते वर्षों जैसा ही कुछ, एक वर्ष फिर बीत गया।
कभी हृदय खिल उठा पुष्प-सा,
और कभी गुपचुप रोया।
कभी सफलता स्वयं आ गई,
कभी स्वर्ण-व्रतसर खोया।
आता-जाता रात वक्त भी
अपने ही रथ पर चढ़कर,
कालचक्र की अथल-पुथल में यह जैतवध रीत गया।
लर्ब, शोक, संघर्ष, समन्वय,
सुख-दुःख, धूप-छांव जैसे।
कुछ दिन बीते खुशहाली में,
बीते कुछ जैसे-तैसे।
दांव-पेय षडयंत्रों का भी
खेल सीखने विदेश हुआ,
जीता कभी किसी से मैं या, कोई मुझसे जीत गया।
जब-जब स्वर गौतम-गजलों के
गेरे होंटों पर आए।
तब तब कहीं अधूरी याई
वाधयंत्र बिगाड़े जाए।
सारा नहीं आत्मबल लेकिन
कोई जतन सफल होगा,
बिगाड़े साजों से रथ दूंगा, मैं कोई संगीत नया।

खंयग / अशुभाली रस्तोमी

ठंड में चोरी करना आसान काम नहीं। जब लोग अपनी-अपनी रजाइयों में छिपे-दुबके बैठे होते हैं, तब चोर उनके घरों में चोरी करने उतरते हैं। एक तरफ ठंड का सितम, दूसरी तरफ पकड़े जाने का डर। फिर भी, वे अपने कर्म पथ पर डटे रहते हैं।

ठंड और चोर



इ न दिनों ठंड आतंक मचाए हुए है। रजाई से बाहर निकलने का मन नहीं करता। न नहाने का दिल करता है। जी करता है, पूरे टाइम रजाई में सिकुड़े पड़े रहे। लेकिन मैं दाद देता हूँ उन चोरों को, जो भीषण ठंड में भी चोरी कर रहे हैं। ठंड में चोरी करना आसान काम नहीं। जब लोग अपनी-अपनी रजाइयों में छिपे-दुबके बैठे होते हैं, तब चोर उनके घरों में चोरी करने उतरते हैं। एक तरफ ठंड का सितम, दूसरी तरफ पकड़े जाने का डर। फिर भी, वे अपने कर्म पथ पर डटे रहते हैं। पापी पेट क्या-क्या नहीं करवा लेता। आज के जमाने में चोरी करना पाप कैसे कहा जा सकता है! बदलते समय के साथ चोरी के तरीके भी काफी बदल गए हैं। कुछ चोरियां अब ऐसी भी हैं, जिनके लिए घर से बाहर निकलना ही नहीं पड़ता। वे घर बैठे-बैठे ही हो जाती हैं। ऑनलाइन ठगी (चोरी) में कहीं जाने की जरूरत नहीं। कहीं से भी बैठकर किसी के भी बैंक खाते से रुपए उड़ाए जा सकते हैं। ये चोर बेहद शांतिर होते हैं। बातें बनाकर फंसाने में माहिर होते हैं। इधर सावधानी घटी, उधर काम तमाम हुआ। लेकिन ऑनलाइन चोर पारंपरिक चोरों की तरह मेहनती नहीं होते। माना

कि ऑनलाइन चोरी में मुनाफा अधिक है किंतु जमीनी अनुभव न के बराबर है। ऐसी चोरी भला किस काम की, जिसमें हाथ-पैर न हिलाने पड़ें।

अब तो पारंपरिक चोरों ने भी ऑनलाइन चोरी का रास्ता पकड़ लिया है। वे भी अधिक मेहनत करने से कतराने लगे हैं। चोरी की लाइन में नई पीढ़ी जो आ रही है, उसका झुकाव ऑनलाइन ठगी की तरफ ज्यादा है। चोरी के नए-नए तरीके उसने ईजाद कर लिए हैं। फोन पर लोगों को उल्टू बनाकर खाते से पल भर में रुपया सफा-चट कर रहे हैं। लेकिन मुझे तो जमीन से जुड़े पारंपरिक चोर ही अधिक पसंद हैं। वे चोरी करते हैं तो लगता है कि वास्तविक चोरी हुई है। चोरी की रपट लिखी जाती है। पुलिस मौका-ए-वारदात पर पहुंचती है। चोरी गई चीजों का हिसाब-किताब लगाया जाता है। ध्यान रहे, चोरी में गहने जरूर चुरते हैं। नकदी पर भी हाथ साफ किया जाता है। घर वाली, आस-पड़ोस, नौकर-चाकर से पूछताछ होती है। खबर अखबारों में छपती है। चार जन चाय और पान के खोके पर चर्चा करते हैं। मोहल्ले में दहशत का सा माहौल बनता है। चोरी होने वाले घर का दूर-दूर तक नाम होता है। कुछ भी चाहिए, सीन पारंपरिक चोरी में ही बनता है।

विकट ठंड में चोरी कंपकंपी लुड़ा देती है। मगर पापी पेट की खातिर उन्हें यह करना पड़ता है। आखिर उनका भी परिवार है। उन्हें भी अपने शौक पूरे करने हैं। बीवी को पसंद और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई का भी ध्यान रखना है। चोरों का भी दिल होता है। मैंने कहानियों में कई ऐसे चोरों के बारे में सुने रखे हैं, जो चोरी की कमाई गरीबों में बांट दिया करते थे। कभी निम्न वर्ग को परेशान नहीं करते थे। उनके टारगेट पर हमेशा धनासेठ ही रहा करते थे। कितने दयावान चोर थे वे। मेरा मानना है कि चोरी करना, कविता या व्यंग्य लिखने से कहीं कठिन काम है। जितनी अक्ल चोरी करने में लगानी पड़ती है न, उतनी गणित के सवाल हल करने में नहीं। लेकिन लोग हैं कि चोरों को हमेशा बंद-दुआएं देते हैं। कभी उनका आदर-सम्मान नहीं करते। चोर हैं तो क्या, ईंसान तो वे भी हैं। इतना तय है कि धरती से जैसे भ्रष्टाचार कभी नहीं मिट सकता, वैसे ही चोरी भी कभी खत्म नहीं हो सकती। चोरों में भी नई-नई नस्लें आती रहेंगी। नए-नए तरीके चोरी के ईजाद किए जाते रहेंगे परंतु चोरियां खत्म कभी न होंगी। ठंड के मौसम में चोरी करना निश्चित ही कर्म का है। मेरे विचार में ऐसे वीर चोरों को कोई न कोई पुरस्कार भी जरूर मिलना चाहिए! नहीं क्या...! *

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

विज्ञापन...

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आइये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ-

दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारणर है।
किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।
एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।
कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।
इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।
इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।
क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन

MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली

देहली हॉस्पिटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय : दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क - 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in



सेलिब्रेशन / लोकमित्र गौतम

साल 2025 विदा होने वाला है। इसके साथ ही नया साल 2026 आने के लिए तैयार है। बीते साल की विदाई और नए साल के स्वागत में पूरी दुनिया में दिसंबर माह के आखिरी सप्ताह में जश्न का माहौल रहता है। अपने देश में भी क्रिसमस के बाद सड़कों पर शाम होते ही रोशनी जगमगाने लगती है। बाजारों में चहल-पहल बढ़ जाती है और हर जगह अलविदा-ए-जश्न के रंग-बिरंगे पोस्टर चस्पा हो जाते हैं। वास्तव में अब नए वर्ष का स्वागत, धर्म-समुदाय से ऊपर उठकर साझे जश्न का पर्व बनकर उभरा है। यही कारण है कि उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक दुनिया के हर कोने में 31 दिसंबर की रात जश्न की रात होती है। हर साल की तरह इस साल भी नए साल के स्वागत में जश्न मनाने के लिए तैयार देश के कई शहर खासतौर पर तैयार हो रहे हैं।

दिल्ली हेरिटेज स्टाइल का सेलिब्रेशन: दिल्ली की सदी और न्यू ईयर के जश्न का जादू एक ऐसा सदाबहार कॉम्बिनेशन है, जिसका कहीं से कोई मुकाबला नहीं। इंडिया गेट के आस-पास होने वाले लाइट शो, राजघराने के कैफे में थीम नाइट्स और फाइव स्टार होटलों में क्लासिक प्रयोजन, न्यू ईयर ईव डिनर, सब सेलिब्रेशन मोड पर पहुंच चुके हैं। दिल्ली की खासियत है, यहां लोगों की गैदरिंग और



पसंद के हिसाब से हर तरह की पार्टियों का आयोजन किया जाता है। चाहे रॉयल हो या आधुनिक, शांत या उत्साह के शोर से भरपूर। यहां न्यू ईयर ईव के जश्न का हर रंग मौजूद होता है। जिसमें यहां आकर ही फील किया जा सकता है।

गोवा सजने-संवरने लगे हैं सी-बीच: गोवा के समुद्रतट पर नए साल के जश्न की तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि गोवा की सागरतटीय रेत, इस बार भी विदाई पार्टियों की राजधानी बनेगी। अलग-अलग स्पेशल शोज के साथ निजी बीच क्लबों की झूमती डीजे नाइट्स की टिकट रिफाई बुकिंग के साथ बीते सालों की तरह अपने मेहमानों का इंतजाम कर रही हैं। लहरों पर लरजती रोशनी, रात भर मस्ती के आलाप में मगन रहने वाली धुनें और समुद्र के किनारे का

किसी देश की तरक्की मापने का एक पैमाना यह भी होता है कि उस देश ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कितनी तरक्की की है? भारत के लिए विज्ञान-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में स्तर्धिता उपलब्धियों से भरा रहा साल 2025। इस वर्ष देश की उपलब्धियों पर एक नजर।

साइंस और टेक्नोलॉजी-2025 साल की शानदार अचीवमेंट्स



साइंस-टेक

संजय श्रीवास्तव

इस साल हमने दुनिया को यह दिखा दिया कि विज्ञान, तकनीक और उससे जुड़े क्षेत्रों में प्रगति के मामले में हम किसी के कम नहीं। इस साल देश ने विज्ञान, तकनीक, पर्यावरण तथा कृषि जैसे क्षेत्रों में जो उपलब्धियां हासिल कीं वे अभूतपूर्व हैं। भारत विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा संबंधित क्षेत्रों में जिस तरह प्रगति कर रहा है, जल्द ही वह संसार के चुनिंदा विकसित देशों की बराबरी करने लगेगा। बेशक इसमें सरकार की नीतियों, हमारे वैज्ञानिकों और संस्थाओं का सम्मिलित प्रयास शामिल है लेकिन हमें अपने शिक्षा संस्थानों का योगदान भी नहीं भूलना चाहिए।

शुभांशु शुक्ला ने किया गौरवान्वित: शुभांशु शुक्ला इस वर्ष देश ही नहीं, दुनिया भर में चर्चा के केंद्र में रहे। एक्सओम-4 मिशन का हिस्सा बने भारतीय अंतरिक्ष यान शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा करने वाले पहले भारतीय बने।

युवा प्रतिभाओं की भूमिका पर जोर: इस बार राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का विषय था, 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व हेतु भारतीय युवाओं को सशक्त करना'। यह देखना सुखद था कि सरकार ने इस नारे के उद्देश्य को जमीन पर उतारा तथा युवा प्रतिभाओं की भूमिका पर जोर दिया। इसके चलते नवाचारों में उल्लेखनीय बढ़त दिखाई। सरकार का सबसे ज्यादा जोर सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, एआई तथा अन्य महत्वपूर्ण उभरती प्रौद्योगिकियों पर रहा। सरकार ने वैश्विक आपूर्ति

श्रंखला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने और सामरिक आत्मनिर्भरता हासिल करने, अपनी चिप विनिर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए भी भारी निवेश इस वर्ष किया।

नवाचार की दिशा में बड़े कदम: एआई और स्टार्टअप को समर्थन देने के लिए इस साल कई नीतियां और प्रोत्साहन कार्यक्रम लागू किए गए। एएसआईआरबी का नाम बदलकर 'विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड' और नवाचार', यानी 'एसआरबीआई' कर दिया गया। अब यह अकादमिक अनुसंधान को वित्तपोषित करने के साथ-साथ बाजार-आधारित नवाचारों को भी बढ़ावा दे रहा है। इसका नतीजा भी इसी साल

दिखा, देश ने अंतरिक्ष मिशनों के लिए डिजाइन किया अपना पहला स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर 'विक्रम 32' विकसित और प्रदर्शित किया गया। यह उपलब्धि देश को सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाएगा। इससे देश अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और रक्षा प्रणालियों जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में वैश्विक खिलाड़ी के रूप में स्थापित हो सकेगा।

इसरो की उल्लेखनीय उपलब्धियां: हर साल की तरह अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपनी उपलब्धियों से देश को गौरवान्वित होने के कई अवसर दिए। इसरो ने इस वर्ष की शुरुआत में 16 जनवरी को, अपना पहला ऑन-ऑर्बिट डॉकिंग प्रयोग स्पेडेक्स सफलतापूर्वक पूरा किया, जिसके तहत लगभग 28,400 किमी प्रतिघंटा की गति से यात्रा करने वाले दो उपग्रहों को साथ

बीत रहे साल की विदाई और नए साल के स्वागत का जश्न पूरी दुनिया में उत्साह-उमंग से मनाया जाता है। अपने देश में भी न्यू ईयर ईव को पूरे जोश-ओ-खरोश के साथ सेलिब्रेट किया जाता है। देश के अलग-अलग स्थानों, खासकर टूरिस्ट प्लेसेस पर कैसी हो रही न्यू ईयर ईव के जश्न की तैयारी, आप जरूर जानना चाहेंगे।

न्यू ईयर ईव का जश्न हो रही तैयारी जोरदार

काउंटडाउन, यही है गोवा के न्यू ईयर ईव के जश्न का जलवा। गोवा प्रायः हर साल ही देश में खासतौर पर जश्न-ए-विदाई का मेन सेंटर बन जाता है।

मुंबई सपनों के शहर में शानदार स्वागत: गेट वे ऑफ इंडिया की भव्य लाइटिंग, मरीन ड्राइव के किनारे लोगों का हजूम और क्लबों में थिरकती थीम पार्टियां। मुंबई 2025 की विदाई के लिए क्रिस्टल काउंटडाउन थीम डिजाइंड की गई है। न्यूऑन सेटअप, हाई वोल्टेज म्यूजिक और मध्य रात की आतिशबाजियां मिलकर, इस शहर की तेज रफ्तार



जिंदगी को कुछ और ही रहस्यमयी रौनक से लबरेज करती है। यहां सिर्फ पार्टियां ही नहीं होतीं, एक ग्लोबल टेवर के साथ नए साल का सेलिब्रेशन भी संपन्न होता है।

पुडुचेरी सौम्य-संस्कारों भरी विदाई: जो लोग शांति और सौम्यता में खुशी का एहसास करना चाहते हैं, उनके लिए उपयुक्त जगह है पुडुचेरी। पुडुचेरी भी साल 2025 की विदाई पार्टियों की तैयारी जोर-शोर से पूरी करने में लगा है। फ्रेंच क्वार्टर्स में जैज नाइट्स, आश्रमों में मेडिटेशन संध्या और रॉक बीच पर कैडल-लिट-वॉक, ये सब यहां की न्यू ईयर हलचल को एक अलग ही रंग देते हैं। यहां का जश्न उन लोगों की पहली पसंद होता है, जो साल का स्वागत शोर से नहीं, अपने भीतर की गुंजती शांति और दमकती आभा के साथ करना चाहते हैं।



में बैंगलुरु युवाओं का शहर कहा जाने लगा है और यह हर बार पुराने नियम तोड़कर नए नियम गढ़ता है। इस बार भी इसकी नए साल के जश्न की तैयारी भरपूर हो चुकी है। देश के सिविलिकॉन वैली कहे जाने वाले इस शहर में आपन एयर वेन्यू और रूफ टॉप पर इंटी बैड्स पार्टियों की भरपूर तैयारी है। लाइव डीजे सेट, क्रफ्ट बुअरी नाइट की तैयारियां अपने चरम पर हैं। टेक सिटी का यह अंदाज यहां आने वाले मेहमानों को याद दिलाता है कि नया साल सिर्फ पार्टी नहीं, एक नया और युवा जोश का जश्न है। *



शिमला-मनाली बर्फ की चादर में खुशियों के रंग: उत्तर भारत के पर्वतीय शहरों में शिमला जैसा नए साल के उत्सव का जलवा किसी दूसरे शहर को नसीब नहीं है। इस बार यहां स्नो फेयरेवेल नाइट्स की जोरदार तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। शिमला का ही एक्सटेंशन मनाली को माना जाता है। इसलिए इसे शिमला-मनाली जश्न की संज्ञा दी जाती है। यहां 31 दिसंबर की रात अकसर बर्फबारी होती है और यही इस जश्न का क्लाइमेक्स होता है। बर्फबारी के बीच अलाव, मध्यम संगीत और लमजरी कैप, मनाली-शिमला जश्न के रंग बिलकुल अलग हैं। यहां न्यू ईयर की पार्टियों का जश्न दिलों में गमाईश भरता है, जिसे शब्द बयां नहीं कर सकते।



बैंगलुरु तारों की छांव में संगीतमय विदाई: हाल के वर्षों में बैंगलुरु युवाओं का शहर कहा जाने लगा है और यह हर बार पुराने नियम तोड़कर नए नियम गढ़ता है। इस बार भी इसकी नए साल के जश्न की तैयारी भरपूर हो चुकी है। देश के सिविलिकॉन वैली कहे जाने वाले इस शहर में आपन एयर वेन्यू और रूफ टॉप पर इंटी बैड्स पार्टियों की भरपूर तैयारी है। लाइव डीजे सेट, क्रफ्ट बुअरी नाइट की तैयारियां अपने चरम पर हैं। टेक सिटी का यह अंदाज यहां आने वाले मेहमानों को याद दिलाता है कि नया साल सिर्फ पार्टी नहीं, एक नया और युवा जोश का जश्न है। *

बॉलीवुड-2025 कैलाश सिंह

बीत रहे साल में जहां कुछ फिल्मों ने उम्मीद से अधिक सक्सेस हासिल की, वहीं कुछ बिग बजट-बैनर की फिल्मों में कोई कमाल नहीं दिखा सकी। फिल्मों के प्रति दर्शकों के टेस्ट में आए बदलाव की वजह से और इस साल रिलीज फिल्मों-ओटीटी शोज पर एक नजर।

ते कई सालों की तरह 2025 भी एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के लिए मिला-जुला रहा। कई बड़े बजट की फिल्मों फ्लॉप रहें तो कुछ छोटे बजट की फिल्मों भी सक्सेसफुल रहें। इस साल थिएटर में फिल्म देखने के संदर्भ में दर्शकों की घटती रुचि के बारे में कई प्रकार की चर्चाएं भी हुईं। सिनेमाघर मालिक सारे साल यह बहस करते रहे कि दर्शकों का थिएटर से दूर होने के पीछे का असल मुद्दा, फिल्मों का निरंतरता के साथ रिलीज न होना है। हाल के वर्षों में सात फिल्मों ने 500 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की, जिससे सिद्ध होता है कि अच्छी फिल्मों की मांग अब भी बहुत है। लेकिन जब एक के बाद दूसरी रिलीज में बहुत फायला बढ़ जाता है, तो दर्शकों की सिनेमाघर में आने की दिलचस्पी कम हो जाती है। विशेषज्ञों का कहना है 'धुरंधर' रही साल की सर्वाधिक सफल फिल्म

कि वह पानी के भीतर लंबी अवधि तक रह सकती है।

तकनीकी क्षेत्र में अन्य उपलब्धियां: आईआईटी मुंबई के शोधकर्ताओं ने इस वर्ष देश का पहला स्वदेशी 'क्वांटम डायमंड माइक्रोस्कोप' विकसित किया, जो सूक्ष्म चुंबकीय क्षेत्रों का सटीक पता लगाने में सक्षम है। यह रक्षा प्रणालियों जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में वैश्विक विकास में भारत के योगदान को मजबूत करता है। नए परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना के साथ परमाणु ऊर्जा विभाग ने भी इस साल उल्लेखनीय प्रगति की है।

कृषि क्षेत्र में इस साल एआई, इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी तकनीक का इस्तेमाल कर प्रेसिजन एग्रीकल्चर और जीन एडिटिंग, बायोफोर्टिफाइड बीज आधारित खेती को व्यापक रूप से अपनाया गया। इससे फसलों की पैदावार बढ़ेगी तो पानी जैसे कृषि संसाधनों की खपत में कमी आएगी। कुल मिलाकर यह कह सकते हैं कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बीता साल बहुत उत्साहवर्धक और प्रेरक रहा। *

तब न्यू ईयर बन जाएगा हेल्दी-हैप्पी-सक्सेसफुल



संजेशन / अंजु जैन

जाता हुआ साल हमारे मन में कुछ शिकायतों और अधूरी उम्मीदें छोड़ जाता है। बीता हुआ वक्त तो वापस आ नहीं सकता, इसलिए उसके बारे में सोचकर परेशान होने की बजाय हम बीते साल की कमियों और गलतियों की समीक्षा करें और आने वाले साल उन्हें सुधार लें तो हम नव वर्ष को हैप्पी बना सकते हैं।

रिलेशनशिप में बनी रहे गर्माहट

हमारे इर्द-गिर्द रहने वाले मित्र, परिवार के सदस्य, रिश्तेदार, सहकर्मी, सहपाठी, बिजनेस पार्टनर और पड़ोसी आदि हमारे जीवन को काफी हद तक प्रभावित करते हैं। इन सारे रिश्तों पर सरसरी तौर पर नजर डालें और समीक्षा करें। विचार करें कि आपने इनके लिए पूरे साल क्या किया और बदले में उन्होंने आपके साथ क्या व्यवहार किया?

एक्शन: नए साल में इन सारे रिश्तों को आप प्राथमिकता के आधार पर कैटेगरीज करें। जिनसे आपको नेगेटिव रिएक्शन मिला, उन्हें सबसे निचले पायदान पर रखें। सहयोगी, स्नेहिल और केयरिंग लोगों को सर्वोच्च प्राथमिकता की श्रेणी में रखें। तय कर लें कि इस साल आपको सिर्फ पॉजिटिव एटीट्यूड और सपोर्टिंग नेचर वाले रिलेशंस को मॉटेन करने में ही अपनी एनर्जी का उपयोग करना है। इससे आप साल भर इमोशनली खुश रहेंगे, आपका सपोर्ट सिस्टम स्ट्रॉन्ग होगा और रिश्ते भी इंप्रूव होंगे।

फिजिकल-मेंटल हेल्थ का रखें ध्यान

अपनी हेल्थ को लेकर खुद से कुछ बुनियादी सवाल पूछें। आपने अंतिम बार कब अपना बीपी चेक करवाया था? आपके हार्ट की हेल्थ का क्या हाल है? क्या आप मॉर्निंग वॉक, वर्कआउट या किसी फिजिकल एक्टिविटी में इवॉल्व हैं? क्या आपको रात को ठीक से नींद नहीं आती है? इन सवालों के जवाब ईमानदारी से दें और अगर जवाब निराशाजनक हैं, तो अब आपको एलर्ट हो जाना चाहिए।

एक्शन: इस बात का इंतजार न करें कि आपको बड़ी बीमारी घेर ले। ज्यादा देर न करके साल की शुरूआत में ही अपने जनरल फिजिशियन से मिलें और अपना हेल्थ चेक करवाएं। पक्का निश्चय कर लें कि आप रोज 30 मिनट किसी न किसी प्रकार की फिजिकल एक्टिविटी में जरूर इवॉल्व होंगे।

नया साल शुरू होने में कुछ ही दिन बचे हैं। आप जरूर सोच रहे होंगे कि आने वाले साल में ऐसा क्या करें, जिससे पूरा साल आपके लिए हेल्दी, हैप्पी और सक्सेसफुल साबित हो। हम दे रहे हैं, इससे रिलेटेड सजेरांस।

स्मार्टफोन का सीमित और जरूरी प्रयोग करेंगे और नरेश से दूर रहेंगे।

फाइनेंस इश्यूज को ना करें इग्नोर

हर नए साल में आपको चाहिए कि आप अपनी वित्तीय स्थिति पर गंभीरतापूर्वक विचार करें। वित्तीय रूप से सुस्थित भविष्य के लिए फाइनेंस इश्यूज को इग्नोर ना करें।

एक्शन: फाइनेंस से जुड़े अपने कमजोर पहलुओं को समझें। इस साल के लिए कुछ वित्तीय लक्ष्य निर्धारित करें और उन्हें हासिल करने की प्लानिंग भी बनाएं। घर में सबके लिए हेल्थ इश्यूज और अपने लिए रिटायरमेंट प्लान सुनिश्चित करें।

करियर को दें नई दिशा

अगर बीते साल आपका करियर आपकी उम्मीदों के मुताबिक परिणाम देने वाला नहीं रहा। आपकी नई जॉब पाने की कोशिश असफल हो गई। ऐसे में वक्त है एलर्ट होने का।

एक्शन: नए साल में आपका करियर और आत्मविश्वास डांबाडोल न रहें, इसके लिए सबसे पहले खुद को अपडेट करें। अपने प्रोफेशन से जुड़ी नवीनतम जानकारियां हासिल करें। कोई नई स्किल सीखें। अपनी पर्सनालिटी में निखार लाएं। कम्यूनिकेशन स्किल इंप्रूव करें। अपना रेज्यूमे अच्छी तरह से दोबारा तैयार करें। लगातार जॉब हंटिंग करते रहें। अपने बॉस और क्लाइंट के साथ रिश्तों को सुधारें।

सबसे जरूरी है आत्मसंतुष्टि

अगर आपने पूरा वक्त सिर्फ दूसरों को खुश करने में बिता दिया तो समझ लीजिए कि आपने जिंदगी को बिताया है, जिया नहीं है। जिंदगी आपकी है, इसलिए आपको खुद को खुश करने का पूरा हक है।

एक्शन: हर रोज कम से कम दो घंटे अपनी खुशी के लिए कुछ करें। चाहे वह आपकी हॉबीज को अटेंड करने की बात हो या फिर अपने अरमान पूरे करने की। हर किसी को खुश करने की आदत छोड़ें और सिर्फ उनकी परवाह करें जिनके नाराज होने से आपको वाकई फर्क पड़ता हो।

बस, इन बातों का ध्यान रखकर, इन्हें अमल में लाकर आप अपने नए साल को खुशहाल बना सकते हैं। *

इस साल थिएटर-ओटीटी पर किन फिल्मों ने मचाया धमाल

बीत रहे साल में जहां कुछ फिल्मों ने उम्मीद से अधिक सक्सेस हासिल की, वहीं कुछ बिग बजट-बैनर की फिल्मों में कोई कमाल नहीं दिखा सकी। फिल्मों के प्रति दर्शकों के टेस्ट में आए बदलाव की वजह से और इस साल रिलीज फिल्मों-ओटीटी शोज पर एक नजर।

ते कई सालों की तरह 2025 भी एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के लिए मिला-जुला रहा। कई बड़े बजट की फिल्मों फ्लॉप रहें तो कुछ छोटे बजट की फिल्मों भी सक्सेसफुल रहें। इस साल थिएटर में फिल्म देखने के संदर्भ में दर्शकों की घटती रुचि के बारे में कई प्रकार की चर्चाएं भी हुईं। सिनेमाघर मालिक सारे साल यह बहस करते रहे कि दर्शकों का थिएटर से दूर होने के पीछे का असल मुद्दा, फिल्मों का निरंतरता के साथ रिलीज न होना है। हाल के वर्षों में सात फिल्मों ने 500 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की, जिससे सिद्ध होता है कि अच्छी फिल्मों की मांग अब भी बहुत है। लेकिन जब एक के बाद दूसरी रिलीज में बहुत फायला बढ़ जाता है, तो दर्शकों की सिनेमाघर में आने की दिलचस्पी कम हो जाती है। विशेषज्ञों का कहना है 'धुरंधर' रही साल की सर्वाधिक सफल फिल्म

कि वह पानी के भीतर लंबी अवधि तक रह सकती है।

तकनीकी क्षेत्र में अन्य उपलब्धियां: आईआईटी मुंबई के शोधकर्ताओं ने इस वर्ष देश का पहला स्वदेशी 'क्वांटम डायमंड माइक्रोस्कोप' विकसित किया, जो सूक्ष्म चुंबकीय क्षेत्रों का सटीक पता लगाने में सक्षम है। यह रक्षा प्रणालियों जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में वैश्विक विकास में भारत के योगदान को मजबूत करता है। नए परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना के साथ परमाणु ऊर्जा विभाग ने भी इस साल उल्लेखनीय प्रगति की है।

कृषि क्षेत्र में इस साल एआई, इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी तकनीक का इस्तेमाल कर प्रेसिजन एग्रीकल्चर और जीन एडिटिंग, बायोफोर्टिफाइड बीज आधारित खेती को व्यापक रूप से अपनाया गया। इससे फसलों की पैदावार बढ़ेगी तो पानी जैसे कृषि संसाधनों की खपत में कमी आएगी। कुल मिलाकर यह कह सकते हैं कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बीता साल बहुत उत्साहवर्धक और प्रेरक रहा। *



'सैयारा' दर्शकों ने खूब किया पसंद

हॉरर जॉनर ने प्रभाव अवश्य छोड़ा, लेकिन किसी विशेष जॉनर ने सिनेमा में राज नहीं किया। गौरतलब है कि वर्ष 2025 में हॉलीवुड की अलग-अलग जॉनर की फिल्मों देश के विभिन्न हिस्सों में रिलीज की गईं, लेकिन अतीत की तरह किसी खास जॉनर-हॉरर, ड्रामा या सुपरहीरो ने सफलता की गारंटी नहीं दी। आज दर्शक बहुत अधिक चूड़ी हो गए हैं और सिनेमाघर में तभी जाते हैं, जब फिल्म उनकी उम्मीदों के अनुरूप हो। इस नजरिए से 'इंटरस्टेलर' के री-रिलीज को देख सकते हैं, जो भारत में 2025 में सबसे अधिक कमाई करने वाली हॉलीवुड फिल्म बनी और नई रिलीज से भी आगे निकल गई। 'इंटरस्टेलर' के अतिरिक्त जिन ग्लोबल फिल्मों को इस साल पसंद किया गया है, 'एफ1', 'जुरासिक वर्ल्ड', 'मिशन इंपॉसिबल', 'द कांजुरिंग', 'डेमन स्लैयर' और 'फाइनल डेस्टिनेशन: ब्लडलाइंस'।

इस साल रिलीज सफल फिल्में: बात अगर इस साल रिलीज देश में बनी सफल फिल्मों की करें तो 'कांतारा: ए लीजेंड चैप्टर 1' भारतीय दर्शकों की सबसे पसंदीदा फिल्म बनी। इस फिल्म को 6 लाख लोगों ने दोबारा देखा। एडवॉंस बुकिंग की बात करें तो 'कुली' फिल्म की 2.4

टॉप ट्रेडिंग ओटीटी शोज

बीते कुछ वर्षों में एंटरटेनमेंट की एक उमंगान्तर बुनिया विकसित हुई है। इन दिनों थिएटर में रिलीज फिल्मों के साथ-साथ ओटीटी शोज को भी दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। 'द बीड्स ऑफ बॉलिवुड', 'ब्लैक वॉटर', 'पाताल लोक (सीजन 2)', 'पंचायत (सीजन 4)', 'मंडला मर्डर्स', 'खोफ', 'स्पेशल ऑप्स (सीजन 2)', 'आका: द बंगल चैप्टर', 'द फैमिली मैन (सीजन 3)' और 'किंगडम जस्टिस: ए फैमिली मैट' जैसे ओटीटी शोज को दर्शकों ने खूब पसंद किया।

'कांतारा' साल की सबसे सफल फिल्मों में से एक

मिलियन सीटें पहले से रिजर्व की गईं। अन्य फिल्मों, जिन्हें दर्शकों ने इस साल खूब पसंद किया वो थीं, 'छावा', 'सैयारा', 'महावतार नरसिम्हा', 'लोख', 'युद्धरुम', 'वॉर-2', 'सितारे जमीन पर' और 'धुरंधर'।

बॉक्स ऑफिस कलेक्शन: बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से देखें तो दशहरे के सप्ताहंत पर सबसे ज्यादा फिल्में देखी गईं। उस दौरान 6.3 मिलियन टिकट बिके, जो फिल्मों अक्टूबर 2025 में रिलीज हुईं, उन्होंने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 1,669 करोड़ रुपए की कमाई की। जनवरी से अक्टूबर 2025 तक कुल मिलाकर 11,077 करोड़ रुपए की कमाई हुई, जोकि 2024 की इसी अवधि की तुलना में 24 प्रतिशत अधिक रही। अभी तक सबसे अधिक कमाई (735 करोड़ रुपए) 'कांतारा: ए लीजेंड चैप्टर 1' ने की। हालांकि 'धुरंधर', बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के बेस पर 'कांतारा' को भी पीछे छोड़ कर इस साल की सबसे अधिक कमाई वाली फिल्म बन गई है।

री-रिलीज फिल्मों भी की गई पसंद: इस साल बॉक्स ऑफिस पर पुरानी री-रिलीज फिल्मों का भी बोलबाला रहा। इन फिल्मों ने नॉस्टैल्जिया की वजह से दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित किया। इस सिलसिले में हैदराबाद भारत का री-रिलीज कैपिटल रहा। 'ये जवानी है दीवानी', 'सनम तेरी कसम', 'सालार', 'आदू' और 'रामाबनम' जैसी टॉप श्रेयक फिल्मों सबसे सफल रहीं। *



दर्शकों को भाया 'द फैमिली मैन' (सीजन 3)